सांध्य दैनिक
नई दृष्टिबिंदु
सच की शक्ति, जनता की दृष्टि
PRGI Reg No - CTHIN/25/A3746

सु-विचार
" कड़वी बातें बोलने का साहस बहुत लोगों में होता है, मगर कड़वी बातें सुनने की क्षमता बहुत कम लोगों में होती है.. ...!!
अज्ञात...

वर्ष-01 अंक-228 | संपादक आलोक तिवारी | दुर्ग, रविवार 06 सितंबर 2026 | पृष्ठ 08 | मूल्य -2 रुपए

मिशन 2028 : दुर्ग से कांग्रेस का चुनावी शंखनाद, ब्लॉक अध्यक्षों की पाठशाला शुरू

संगठन सृजन अभियान के तहत ब्लॉक अध्यक्षों का तीन दिवसीय प्रशिक्षण शिविर दुर्ग में शुरू हुआ

नई दृष्टिबिंदु / दुर्ग

2028 विधानसभा चुनाव के लिए कांग्रेस ने दुर्ग संभाग से जमीनी तैयारी शुरू कर दी है। संगठन सृजन अभियान के तहत ब्लॉक अध्यक्षों का तीन दिवसीय प्रशिक्षण शिविर दुर्ग में शुरू हुआ। बस्तर के बाद दूसरा चरण दुर्ग में आयोजित है।

पीसीसी चीफ दीपक बैज ने कहा दुर्ग संभाग सत्ता की कुंजी है। सरकार बनाना है तो दुर्ग से शुरुआत होती है। बदलाव भी यहीं से शुरू होगा। ब्लॉक अध्यक्ष नए कलेवर, आक्रामक रूप में जनता के मुद्दों की लड़ाई लड़ेंगे।

शिविर में 64 ब्लॉक अध्यक्ष और 20 मास्टर ट्रेनर शामिल प्रशिक्षण में संगठन को मजबूत करने, जनता से सीधे कनेक्ट होने पर मंथन हुआ।

दिग्गजों ने ली क्लास: नेता प्रतिपक्ष चरणदास महंत, पूर्व सीएम भूपेश बघेल, पूर्व डिप्टी सीएम टीएस सिंहदेव, ताम्रध्वज साहू, प्रेमसाय सिंह, रविंद्र चौबे, अनिला भेड़िया, गुरु रुद्रकुमार, मलकीत गेंदू, विधायक कुंवर निषाद, संगीता सिन्हा, देवेंद्र यादव, प्रतिमा चंद्राकर, अरुण वोरा, गुरुदयाल बंजारे ने टिप्स दिए।

जिला अध्यक्ष मौजूद: भिलाई शहर मुकेश चंद्राकर, दुर्ग शहर धीरज बाकलीवाल, दुर्ग ग्रामीण राकेश ठाकुर, खैरागढ़ कोमल साहू, कवर्धा नवीन जायसवाल, मानपुर-मोहला सुजीत ठाकुर, बालोद चंद्रेश हिरवानी। AICC सचिव एसए संपत, विजय जांगिड़ और दिल्ली से आई टीम ने भी प्रशिक्षण दिया। बैज ने कहा समापन के बाद मिशन 2028 की तैयारी दुर्ग संभाग में और तेज होगी।

त्वरित टिप्पणी

झीरम पर 13 साल बाद भी अधूरा सच, न्याय नहीं राजनीति हावी

आलोक तिवारी

झीरम घाटी हत्याकांड सिर्फ नक्सली हमला नहीं था, यह छत्तीसगढ़ की राजनीति की पूरी एक पीढ़ी का अंत था। 25 मई 2013 को कांग्रेस की अग्रिम लीडरशिप - नंदकुमार पटेल, विद्याचरण शुक्ल, महेंद्र कर्मा जैसे दिग्गजों को एक साथ खत्म कर दिया गया। कांग्रेस आज तक उस खालीपन से उबर नहीं पाई है। 13 साल बाद ठक्अ कोर्ट ने 10 छोटे कैडर को दोषी माना है। यह इंसाफ की पहली सीढ़ी जरूर है, पर पूरा इंसाफ नहीं।

सबसे बड़ा सवाल - जांच में देरी किसने की?

एनआईए ने माना 200 नक्सली शामिल थे, 39 नामजद थे, सजा 10 को। एफआईआर में गणपति, रमन्ना जैसे बड़े नाम थे, चार्जशीट में गायब हो गए। 25-25 लाख, एक करोड़ के इनामी चैतू उर्फ श्याम दादा, रूपेश, भूपति उर्फ सोनू दादा ने सरेंडर किया, सार्वजनिक रूप से कहा - झीरम हमारी गलती थी, फिर भी ठक्अ ने पूछताछ तक नहीं की। क्यों? और दूसरी तरफ कांग्रेस भी कटघरे में है। 5 साल सत्ता में रही। रक्ळ बनाई, पर सुप्रीम कोर्ट से हरी झंडी मिलने के बाद भी जांच को ठोस अंजाम तक क्यों नहीं पहुंचा पाई? आज प्रेस वार्ता कर सवाल उठाना आसान है, तब जवाबदेही क्यों नहीं निभाई?

भाजपा की भूमिका भी संदिग्ध रही– *न्यायिक जांच आयोग पर स्टे, रक्ळ की जांच पर स्टे, ढाई साल से साय सरकार ने रक्ळ जांच शुरू ही नहीं की। यह साबित करता है कि कोई भी दल झीरम का सच सामने नहीं आने देना चाहता। सच यह है कि झीरम के शहीदों के पर्स, मोबाइल तक घटनास्थल पर हफ्तों पड़े रहे, घायलों के बयान नहीं लिए गए। यह लापरवाही नहीं, साजिश की बू आती है।*

13 साल बाद 10 छोटे नक्सलियों को दोषी मानना न्याय नहीं, *खानापूर्ति है। जब तक यह सवाल अनुत्तरित हैं - सुरक्षा किसने हटाई, रूट किसने बदला, साजिश किसने रची, तब तक झीरम का सच अधूरा रहेगा। अदालत 16 सितंबर को सजा सुनाएगी, पर छत्तीसगढ़ की जनता को असली इंसाफ का इंतजार अभी भी है।*

अब जरूरत है राजनीति से ऊपर उठकर नाकी टेस्ट, एसआईटी और एनआईए की संयुक्त, समयबद्ध जांच की। वरना झीरम सिर्फ हर चुनाव में भुनाने का मुद्दा बनकर रह जाएगा।

दुर्ग जिले में 699.4 मिमी औसत वर्षा, पाटन में सर्वाधिक

दुर्ग में 3.8 मिमी, पाटन में 0.1 मिमी जबकि धमधा, बोरी, भिलाई-3 और अहिवारा में 0.0 मिमी वर्षा रही

नई दृष्टिबिंदु / दुर्ग

जिले में 1 जून से 5 सितंबर 2026 तक 699.4 मिमी औसत वर्षा दर्ज की गई है। कलेक्टर भू-अभिलेख शाखा से मिली जानकारी के अनुसार सबसे ज्यादा बारिश पाटन तहसील में 913.2 मिमी और सबसे कम धमधा में 500.8 मिमी हुई है। अन्य तहसीलों में दुर्ग में 824.7 मिमी, भिलाई-3 में 750.1 मिमी, बोरी में 637.5 मिमी और अहिवारा में 569.9 मिमी वर्षा दर्ज हुई। 5 सितंबर को जिले में लगभग बारिश नहीं हुई। दुर्ग में 3.8 मिमी, पाटन में 0.1 मिमी जबकि धमधा, बोरी, भिलाई-3 और अहिवारा में 0.0 मिमी वर्षा रही।

झीरम घाटी पर 13 साल बाद इंसाफ की पहली सीढ़ी

NIA कोर्ट ने 10 नक्सलियों को माना दोषी, सजा पर 16 सितंबर को फैसला

नई दृष्टिबिंदु / जगदलपुर

छत्तीसगढ़ के सबसे बड़े राजनीतिक नरसंहार झीरम घाटी हमले में 13 साल बाद न्याय की दिशा में बड़ा कदम बढ़ा है। जगदलपुर की ठक्अ विशेष अदालत ने शुक्रवार को 10 आरोपियों को दोषी करार दिया। सजा की अवधि पर सुनवाई 16 सितंबर को होगी। फैसले के साथ ही प्रदेश की सियासत एक बार फिर गरमा गई है।

25 मई 2013। बस्तर के दरभा ब्लॉक की झीरम घाटी। कांग्रेस की परिवर्तन यात्रा सुकमा से जगदलपुर लौट रही थी। घात लगाए बैठे नक्सलियों ने काफिले पर अंधाधुंध फायरिंग की। इस कायराना हमले में तत्कालीन पीसीसी चीफ नंदकुमार पटेल, पूर्व केंद्रीय मंत्री विद्याचरण शुक्ल, टाइगर कहे जाने वाले महेंद्र कर्मा, पूर्व विधायक उदय मुदलियार सहित 27 लोगों की मौत हो गई थी। कई घायल हुए। यह हमला देश के राजनीतिक इतिहास का काला दिन माना जाता है।

घटना के बाद जांच ठक्अ को सौंपी गई। जगदलपुर में विशेष कोर्ट में ट्रायल चला। कुल 11 आरोपी बनाए गए, जिनमें से एक आरोपी की ट्रायल के दौरान मौत हो गई। लगभग 13 साल, 101 गवाहों के बयान और दोनों पक्षों की दलीलों के बाद 5 सितंबर को कोर्ट ने फैसला सुनाया।

आगे क्या: अब 16 सितंबर को सजा का ऐलान होगा। उसके बाद यह मामला हाईकोर्ट जाएगा, यह तय है।

दोषी ठहराए गए 10 आरोपी

प्रमिला मोड़ियाम, चैतु लेकाम उर्फ मुन्ना, सुमित्रा उर्फ सुमित्रा पुनेम मोड़ियाम, मुक्का मंडावी, कोसा कवासी उर्फ कोसाराम, आयता मरकाम, मड़कामी देवा, जोगा मड़कामी, बंजामी सन्ना उर्फ चमरू उर्फ देंगा और महादेव नाग। फैसले के बाद सभी को जगदलपुर केंद्रीय जेल भेज दिया गया। कोर्ट परिसर में परिजन भी मौजूद थे।

दोनों पक्षों की दलील

अभियोजन पक्ष (दिनेश पाणिग्रही)
साक्ष्यों के आधार पर दोष सिद्ध हुआ है। दोषियों को आजीवन कारावास या फांसी जैसी कठोरतम सजा दी जाए।

बचाव पक्ष (अरविंद चौधरी)
सभी निदोष हैं। 16 सितंबर को सजा का पूरा आदेश आने के बाद हाईकोर्ट में अपील करेंगे। आरोपी जोगा मड़कामी के परिजनों ने कहा - घटना के दिन वह शादी समारोह में था, बाद में फंसाया गया।

भाजपा का पलटवार

डिप्टी सीएम विजय शर्मा ने कहा - कांग्रेस 5 साल सत्ता में थी, तब इस केस में क्या किया? ठक्अ को जांच यूपीए सरकार ने दी थी, उसी जांच पर कोर्ट ने दोषी माना है। अब सवाल उठाना राजनीति है। भाजपा प्रवक्ता शिवनारायण पांडे ने फैसले का स्वागत करते हुए कहा - देर से ही सही, न्याय मिला। दोषियों को कड़ी सजा मिलनी चाहिए।

कांग्रेस का आरोप - न्याय नहीं मिला

पीसीसी चीफ दीपक बैज ने प्रेस कॉन्फ्रेंस में कहा - यह फैसला पीड़ित परिवारों के घाव पर मरहम नहीं है। यह सिर्फ नक्सली हमला नहीं, राजनीतिक षड्यंत्र और राजनीतिक हत्या थी। परिवर्तन यात्रा को पर्याप्त सुरक्षा नहीं दी गई। केंद्र में भाजपा सरकार आने के बाद ठक्अ जांच की दिशा बदल दी गई। ऋकफ में जिन बड़े नक्सली नेताओं गणपति, रमन्ना, बारसे देवा, रूपेश उर्फ मोपला, गणेश, जयदेव, सोनू उर्फ भूपति, श्याम दादा का नाम था, उनमें से कई ने सरेंडर किया, पर उनसे पूछताछ नहीं हुई। क्या सरेंडर करने पर सजा माफ हो जाती है? कांग्रेस लीगल सेल के अवधेश झा ने कहा - राजनीतिक साजिश वाले एंगल की जांच ही नहीं हुई।

2 साल से फरार इनामी बदमाश पंजाब से धराया जामुल पुलिस को मिली बड़ी सफलता

नई दृष्टिबिंदु / दुर्ग

हत्या के प्रयास के मामले में 2 साल से फरार चल रहे इनामी आरोपी को जामुल पुलिस ने गिरफ्तार किया है। आरोपी पहचान छिपाकर पंजाब और छत्तीसगढ़ में ठिकाने बदल रहा था। 2024 में प्रार्थी योगेश सहारे निवासी कुरूद ने रिपोर्ट दर्ज कराई थी कि उसके भाई नरेंद्र सहारे पर स्कूटी सवार ने प्राणघातक हमला किया। अपराध क्रमांक 249/2024 धारा 109 इठर के तहत मामला दर्ज कर आरोपी की तलाश की जा रही थी।

मुखबिर सूचना पर पुलिस ने घेराबंदी कर आरोपी *सेवा सिंह, निवासी कैंप-01 पटेल डेयरी के पास छावनी (मूल निवासी तरण तारण, पंजाब)* को गिरफ्तार किया। जांच में खुलासा हुआ कि आरोपी आदतन अपराधी है। उसके खिलाफ जिले में 6 अपराध दर्ज हैं: आरोपी लगातार पहचान बदलकर फरारी काट रहा था। जामुल थाना पुलिस की सक्रियता से उसे पकड़ा गया।

रायपुर संभाग में सियासी भूचाल पंकज शर्मा खुलकर देवेंद्र के साथ, विरोधी खेमे में हड़कंप

नई दृष्टिबिंदु / रायपुर

राजधानी की राजनीति में बड़ा उलटफेर हुआ है। रायपुर ग्रामीण के छाया विधायक और कद्दावर नेता पंकज शर्मा ने युवा कांग्रेस चुनाव में देवेंद्र का खुलकर समर्थन कर दिया है। रायपुर संभाग में पंकज शर्मा का अच्छा-खासा प्रभाव माना जाता है। उनका इस तरह खुलकर साथ आना एक बड़ा राजनीतिक संकेत है।

युवा कांग्रेस चुनाव में राजधानी और आसपास के जिलों में पहले से ही घमासान मचा हुआ है। ऐसे में पंकज शर्मा के समर्थन से देवेंद्र खेमे को बड़ी ताकत मिली है, जबकि विरोधी खेमे के लिए यह चिंता का विषय बन गया है।

विश्लेषण

क्या पाकिस्तान के टुकड़े होंगे?

पंजाब-सिंध विभाजन के पीछे आसिम मुनीर का 'मास्टर प्लान'

आलोक तिवारी / नई दिल्ली

पाकिस्तान में एक बार फिर नक्शा बदलने की तैयारी है। 12 से 15 प्रांतों का प्रस्ताव सिर्फ प्रशासनिक सुधार नहीं, बल्कि सेना प्रमुख जनरल आसिम मुनीर की सत्ता को स्थायी करने की रणनीति के तौर पर देखा जा रहा है। योजना मंत्री एहसान इकबाल ने ढट शहबाज से 12-15 प्रांतों के लिए समीक्षा कमेटी की मांग की है। गृह मंत्री मोहसिन नकवी - जो सेना के करीबी माने जाते हैं - ने मौजूदा ढांचे को फेल बताया है। क्रढफ ने भी सुर में सुर मिलाते हुए कहा है कि 4 प्रांत 25 करोड़ की आबादी के लिए नाकाफी हैं। यानी पर्दे के पीछे से सेना की मुहर।

1955 में पश्चिमी पाकिस्तान के चार प्रांतों को मिलाकर 'वन यूनिट' बनाया गया था ताकि पूर्वी पाकिस्तान (अब बांग्लादेश) की बड़ी आबादी के सामने शक्ति संतुलन रखा जा सके। विरोध के बाद 1970 में याह्या खान को इसे तोड़ना पड़ा। अब उसी वन यूनिट की उल्टी प्रक्रिया - टुकड़े-टुकड़े करो - पर विचार हो रहा है।

आसिम मुनीर की रणनीति क्या है?

विशेषज्ञ इसे "Divide to Rule" मानते हैं: PML-N और PPP को कमजोर करना:* पंजाब बंटा तो शहबाज शरीफ का लाहौरी गढ़ टूटेगा। सिंध बंटा तो पीपीपी का आधार खत्म। फायदा सीधे सेना को।

बजट पर कब्जा: नए प्रांत = नए गवर्नर, नई नौकरशाही, जो सीधे सेना द्वारा नियुक्त होगी जातीय आंदोलनों को आपस में लड़ाना: बलूच, सिंधी, सरायकी सब अपने-अपने प्रांत में उलझ जाएंगे, सेना के खिलाफ एकजुट मोर्चा नहीं बनेगा।

तीन बारूद के ढेर

* **दक्षिण पंजाब**- बहावलपुर-मुल्तान का सरायकी आंदोलन, जो लाहौर के वर्चस्व को चुनौती है।
* **हजारा:** 2010 में ठहऋढ का नाम बदलकर खैबर-पख्तूनख्वा करने के बाद एबटाबाद-मानसेहरा के हिंदको भाषी लोग अलग हजारा प्रांत मांग रहे हैं।
* **सिंध:** सबसे खतरनाक। कराची के उर्दू भाषी मुहाजिर (टदट) कराची-हैदराबाद को मिलाकर नया प्रांत चाहते हैं, जिसका पीपीपी और सिंधी राष्ट्रवादी कड़ा विरोध करते हैं।

लेकिन राह आसान नहीं

संविधान के अनुच्छेद 239 के तहत नए प्रांत के लिए नेशनल असेंबली, सीनेट में दो-तिहाई बहुमत और संबंधित विधानसभा की मंजूरी जरूरी है। ढढढ ने साफ कहा है - सिंध का विभाजन हुआ तो सरकार गिरा देंगे। और सबसे बड़ी अड़चन - पैसा। दिवालिया पाकिस्तान नए सचिवालय, हाईकोर्ट और चुनाव का खर्च कैसे उठाएगा?

भारत के लिए मतलब

पाकिस्तान का बंटवारा भारत के लिए दोधारी तलवार है। छोटे प्रांतों पर सेना का नियंत्रण आसान होगा, लेकिन हर नए प्रांत में नया जातीय विद्रोह जन्म लेगा। अस्थिरता बढ़ेगी, सीमा पर घुसपैठ और गैर-राज्य तत्वों का खतरा भी बढ़ेगा।

केंद्रीय विद्यालय सीआईएसएफ भिलाई में शिक्षक दिवस मना

शिक्षक केवल ज्ञान प्रदान करने वाले नहीं, बल्कि विद्यार्थियों के व्यक्तित्व, चरित्र और भविष्य के निर्माता होते हैं-भुवनेश्वरी

नई दृष्टिबिंदु / भिलाईनगर

केंद्रीय विद्यालय सीआईएसएफ भिलाई में शनिवार को शिक्षक दिवस के अवसर पर भव्य समारोह आयोजित किया गया। कार्यक्रम की मुख्य अतिथि एवं विद्यालय की प्राचार्य श्रीमती भुवनेश्वरी थीं। समारोह का शुभारंभ भारत के द्वितीय राष्ट्रपति एवं महान शिक्षाविद् डॉ. सर्वपल्ली राधाकृष्णन के चित्र के समक्ष दीप प्रज्वलन एवं पुष्पांजलि अर्पित कर किया गया।

प्रातःकालीन सभा का संचालन विद्यालय के शिक्षक-शिक्षिकाओं द्वारा किया गया। इस दौरान विद्यार्थियों ने प्राचार्य सहित सभी शिक्षक-शिक्षिकाओं को श्रीफल एवं पुष्पगुच्छ भेंट कर सम्मानित किया।

मुख्य अतिथि प्राचार्य श्रीमती भुवनेश्वरी ने अपने प्रेरणादायी उद्बोधन में डॉ. सर्वपल्ली राधाकृष्णन के जीवन और शिक्षा के क्षेत्र में उनके योगदान को रेखांकित किया। उन्होंने कहा कि शिक्षक केवल ज्ञान प्रदान करने वाले नहीं, बल्कि विद्यार्थियों के व्यक्तित्व, चरित्र और भविष्य के निर्माता होते हैं। गुरु का मार्गदर्शन जीवन को सही दिशा देता है और गुरुओं का सम्मान भारतीय संस्कृति की महान परंपरा है।

उन्होंने विद्यार्थियों से अनुशासन, परिश्रम, संवेदनशीलता, सत्यनिष्ठा और कर्तव्यबोध को जीवन का अभिन्न हिस्सा बनाने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि आज के विद्यार्थी ही कल के राष्ट्र-निर्माता हैं। शिक्षा का उद्देश्य केवल व्यक्तिगत सफलता प्राप्त करना नहीं, बल्कि समाज और मानवता के कल्याण की भावना विकसित करना भी है। भाषा, धर्म, क्षेत्र और संस्कृति की विविधताओं का सम्मान करते हुए प्रेम, सहयोग और सद्भाव को बढ़ावा देना ही वसुधैव कुटुम्बकम की भावना को साकार करता है।

प्राचार्य ने विद्यार्थियों से अपने गुरुओं के प्रति कृतज्ञ रहते हुए निरंतर सीखने तथा अपनी प्रतिभा और ज्ञान का उपयोग समाज एवं राष्ट्र की उन्नति के लिए करने का आह्वान किया। उन्होंने सभी विद्यार्थियों को शिक्षक दिवस की शुभकामनाएं देते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की।

इसके बाद सस्वर राष्ट्रगीत एवं राष्ट्रगान का गायन हुआ। समारोह की विशेष गतिविधि के रूप में विद्यार्थियों ने शिक्षक की भूमिका निभाते हुए विभिन्न कक्षाओं में अध्यापन कार्य किया। विद्यार्थियों ने विभिन्न रंगारंग सांस्कृतिक कार्यक्रमों की प्रस्तुति देकर समारोह को आकर्षक बनाया। कार्यक्रम में श्रीमती रूना चौधरी, श्रीमती सोमा शील गुहा, सृजन, शैलेश बेंजामिन, विनोद कुमार टैबुन्ना, श्रीमती निधि केरकेट्टा, उमेश कुमार संत, सुश्री आंचल सिंह, सुश्री मालविका नियोगी, सुश्री आंचल कन्नौजे, श्रीमती नमिता, सुश्री दीप्ति, सुश्री रितु कुम्भकार, राजन शर्मा एवं सुश्री किरण ममता सहित विद्यालय के शिक्षक-शिक्षिकाएं उपस्थित रहे।

राष्ट्रीय सर्व ब्राह्मण समाज ने किया शिक्षकों का किया सम्मान

नई दृष्टिबिंदु / दुर्ग

शिक्षक दिवस के अवसर पर राष्ट्रीय सर्व ब्राह्मण समाज द्वारा राष्ट्रीय महासचिव शशिकांत तिवारी के नेतृत्व में शिक्षकों से गृह भेंट कर उनका सम्मान किया गया। समाज के पदाधिकारियों ने सेवानिवृत्त शिक्षक राजेंद्र कुमार दुबे के केलाबाड़ी स्थित निवास पहुंचकर शाल, श्रीफल एवं मोमेंटो प्रदान कर उनका सम्मान किया। दुबे को सेवाकाल में 2014 में महानिदेशक राष्ट्रीय कैडेट कोर सम्मान, 2015 में राज्यपाल बलराम दास टंडन के कर कमलों से बेस्ट टीचर अवार्ड, 2016 में राज्य स्तरीय शिक्षक पुरस्कार एवं शिक्षा मंत्री अवार्ड सहित कई पुरस्कार मिल चुके हैं। इस अवसर पर राष्ट्रीय महासचिव शशिकांत तिवारी ने राजेंद्र कुमार दुबे की सेवाओं का उल्लेख करते हुए उनकी सराहना की तथा शिक्षक दिवस के उपलक्ष्य में शिक्षा, शिक्षक एवं शिक्षक दिवस के महत्व पर सारगर्भित संबोधन दिया।

खास खबर

भिलाई निगम ने दो दिनों में हटाए 1009 बैनर-पोस्टर

नई दृष्टिबिंदु / भिलाईनगर

नगर पालिक निगम भिलाई द्वारा शहर की सुंदरता एवं स्वच्छता बनाए रखने तथा सार्वजनिक स्थलों पर अनाधिकृत रूप से लगाए गए बैनर-पोस्टर को हटाने की कार्रवाई लगातार की जा रही है। इसी क्रम में दिनांक 04 सितम्बर 2026 से 05 सितम्बर 2026 तक निगम के सभी जोनों में अभियान चलाकर कुल 1009 बैनर-पोस्टर हटाए गए। हटाए गए बैनर-पोस्टर जोन-1 से 117, जोन-2 से 310, जोन-3 से 165, जोन-4 363, जोन-5 से 54 इस तरह कुल 1009 हटाए गए।

नगर निगम द्वारा सार्वजनिक स्थानों, विद्युत पोल, डिवाइडर एवं अन्य स्थानों पर बिना अनुमति लगाए गए बैनर-पोस्टर हटाने की कार्रवाई निरंतर जारी रहेगी। निगम ने नागरिकों एवं विभिन्न संस्थाओं से अपील की है कि शहर की स्वच्छता एवं सुंदरता को बनाए रखने में सहयोग करें तथा सार्वजनिक स्थानों पर बिना अनुमति प्रचार सामग्री न लगाएं।

यादव समाज ने एकजुट होकर मनाया कृष्ण जन्माष्टमी महोत्सव, विजय बघेल हुए शामिल

नई दृष्टिबिंदु / भिलाई

यादव समाज के विभिन्न संगठनों द्वारा भिलाई में श्रीकृष्ण जन्माष्टमी महोत्सव श्रद्धा और हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। यादव कल्याण परिषद सेक्टर-7, युवा यादव कल्याण परिषद सेक्टर-6, भिलाई यदुवंशी कल्याण संघ जवाहर नगर और ब्रजमंडल गीता भवन श्री राधा-कृष्ण मंदिर सेक्टर-6 में आयोजित कार्यक्रमों में दुर्ग सांसद विजय बघेल शामिल हुए।

सांसद बघेल ने भगवान श्रीकृष्ण की पूजा-अर्चना कर सुख-समृद्धि की कामना की। आयोजकों ने उनका गजमाला और शाल-श्रीफल से स्वागत किया। कार्यक्रमों में बच्चों ने कृष्ण की बाल लीलाओं पर आधारित सांस्कृतिक प्रस्तुतियां और झांकियां पेश कीं। शिव शक्ति डांस एकेडमी की निदेशक सुनेयना द्वारा निर्देशित कृष्णलीला झांकी आकर्षण का केंद्र रही। सांसद ने कहा कि भगवान कृष्ण ने अधर्म का नाश कर धर्म की स्थापना का संदेश दिया। भिलाई मिनी भारत है, विविधता में एकता हमारी पहचान है। ऐसे आयोजन सामाजिक एकता को मजबूत करते हैं। युवा यादव कल्याण परिषद के कार्यक्रम में सांसद ने "सुख के सब साथी, दुख में न कोई" भजन भी प्रस्तुत किया।

गयाबाई स्कूल में शिक्षक दिवस पर बच्चों को बैग, चटाई और चप्पल वितरित

नई दृष्टिबिंदु / दुर्ग

शासकीय पूर्व माध्यमिक शाला गया नगर दुर्ग में शिक्षक दिवस के अवसर पर प्रतिज्ञा विकास संस्थान और ग्रीन शोले फाउंडेशन द्वारा बच्चों को स्कूल बैग, चटाई और चप्पल बांटे गए। साथ ही शिक्षकों का सम्मान भी किया गया। कार्यक्रम में डायरेक्टर राम सुचित मिश्रा, लेखपाल रेवाराम देशमुख, प्रधानाध्यापिका ईश्वरी गायकवाड़, सीमा देवांगन, चुनेराम साहू, मनोरमा चंद्राकर, गरिमा सिन्हा, रितुराज साहू और गिरिवर साहू उपस्थित रहे प्राथमिक एवं पूर्व माध्यमिक शाला के सभी बच्चों को सामग्री वितरित की गई।

तीन दिवसीय प्रशिक्षण शिविर में शामिल हुए ब्लाक अध्यक्ष

नई दृष्टिबिंदु / दुर्ग

संगठन सृजन अभियान के तहत ब्लॉक अध्यक्षों का तीन दिवसीय प्रशिक्षण शिविर दुर्ग में शुरू हुआ। बस्तर के बाद दूसरा चरण दुर्ग में आयोजित है। शिविर में 64 ब्लॉक अध्यक्ष और 20 मास्टर ट्रेनर शामिल प्रशिक्षण में संगठन को मजबूत करने, जनता से सीधे कनेक्ट होने पर मंथन हुआ।

सावन तीज ग्रीन महोत्सव 6 दिसंबर को राधा रानी थीम पर सजेगा मंच

नई दृष्टिबिंदु / भिलाईनगर

खंडेलवाल भवन, वैशाली नगर में 6 दिसंबर, रविवार को दोपहर 12 बजे से सावन तीज ग्रीन महोत्सव का भव्य आयोजन किया जाएगा।

कार्यक्रम के मुख्य अतिथि सुश्री सरोज पांडे (पूर्व सांसद), श्री रिकेश सेन (विधायक, वैशाली नगर), श्रीमती रजनी बघेल, श्रीमती दिव्या भसीन मक्कड़ एवं श्रीमती विनीता पांडे रहेंगी।

यह प्रतियोगिता विशेष रूप से शादीशुदा महिलाओं के लिए आयोजित की जा रही है। प्रतियोगिता को तीन वर्गों में बांटा गया है - प्रथम वर्ग जूनियर (21 से 35 वर्ष), द्वितीय वर्ग सीनियर (36 से 50 वर्ष) एवं तृतीय वर्ग क्लासिक (50 वर्ष से अधिक)। प्रतियोगिता में तीन राउंड होंगे - पहले राउंड में रैंप वॉक, दूसरे में परिचय एवं प्रश्नोत्तरी और तीसरे में टैलेंट राउंड। इस वर्ष प्रतियोगिता की थीम 'राधा रानी' रखी गई है, जिसमें प्रतिभागियों को थीम के अनुसार प्रॉपर ड्रेस में आना होगा।

महोत्सव के दौरान पूजा थाली सजाओ, रंगोली, दुल्हन सजाओ, मेहंदी और बंपर हाउजी जैसे कार्यक्रम भी आयोजित होंगे। प्रतियोगिता में रजिस्ट्रेशन निशुल्क रखा गया है तथा पर्यावरण संरक्षण के संदेश के साथ सभी प्रतिभागियों और दशर्कों को निशुल्क पौधे प्रदान किए जाएंगे। उक्त जानकारी आयोजन समिति के संयोजक कन्हैया सोनी एवं ललित मोहन ने दी।

जन्माष्टमी पर यादव समाज की भव्य शोभायात्रा गूंजा जय श्रीकृष्ण का जयघोष

नई दृष्टिबिंदु / भिलाई।

श्रीकृष्ण जन्माष्टमी के पावन अवसर पर यादव समाज द्वारा राधा-कृष्ण मंदिर, मंगल बाजार से भव्य शोभायात्रा निकाली गई। शोभायात्रा में भाजपा नेता कन्हैया सोनी सहित बड़ी संख्या में श्रद्धालु शामिल हुए। भगवान श्रीकृष्ण की आकर्षक झांकी, भजन-कीर्तन और जयकारों से पूरा वातावरण भक्तिमय हो गया। जगह-जगह शोभायात्रा का स्वागत किया गया। आयोजन में श्रद्धालुओं ने भगवान श्रीकृष्ण से सभी के जीवन में सुख, शांति और समृद्धि की प्रार्थना की।

शिक्षक दिवस पर शिक्षकों का सम्मान, शिक्षा के महत्व पर दिया संदेश

नई दृष्टिबिंदु / भिलाईनगर

शिक्षक दिवस के अवसर पर शुक्रवार को स्वामी आत्मानंद शासकीय अंग्रेजी माध्यम विद्यालय, सेक्टर-6 में भारतरत्न एवं पूर्व राष्ट्रपति डॉ. सर्वपल्ली राधाकृष्णन की जयंती मनाई गई। इस अवसर पर विद्यालय के शिक्षकों को स्मृति चिन्ह भेंट कर सम्मानित किया गया।

कार्यक्रम की अध्यक्षता एसएमडीसी अध्यक्ष रजनीकांत पांडे ने की। उन्होंने विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए समाज में शिक्षा के महत्व तथा राष्ट्र निर्माण में शिक्षकों की भूमिका पर प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि शिक्षक विद्यार्थियों को केवल किताबी ज्ञान ही नहीं देते, बल्कि उनके व्यक्तित्व और भविष्य को दिशा देने में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं।

कार्यक्रम में मुख्य अतिथि भाजपा प्रदेश कार्यसमिति सदस्य (पिछड़ा वर्ग) कन्हैया सोनी, विशिष्ट अतिथि भाजपा प्रदेश कायकारिणी सदस्य वीरेंद्र साहू एवं वरिष्ठ भाजपा नेत्री नीता चौरसिया उपस्थित रहीं। कार्यक्रम का संचालन नीता चौरसिया ने किया। इस अवसर पर एसएमडीसी सदस्य पंकज सोनी, अशोक जैन, ऋतुराज शर्मा, अंजली पटनायक, ज्योति ठाकुर, ज्योति सेन, सरोज टहनगुरिया, पिंकी सिन्हा, किरण भोसले, आर.डी. कोरी, प्रशांत क्षीरसागर, सतीश सोनकर, उत्तमचंद कोचर (जैन), डॉ. पन्नालाल मैशिया सहित अन्य गणमान्यजन उपस्थित रहे। कार्यक्रम के अंत में उपस्थित अतिथियों एवं शिक्षकों के लिए जलपान की व्यवस्था की गई। चाहें तो इसे में दैनिक भास्कर शैली में और अधिक प्रभावी हेडिंग व इंट्रो के साथ भी तैयार कर सकता हूं।

गयाबाई स्कूल में शिक्षक दिवस पर बच्चों को बैग, चटाई और चप्पल वितरित

नई दृष्टिबिंदु / दुर्ग

शासकीय पूर्व माध्यमिक शाला गया नगर दुर्ग में शिक्षक दिवस के अवसर पर प्रतिज्ञा विकास संस्थान और ग्रीन शोले फाउंडेशन द्वारा बच्चों को स्कूल बैग, चटाई और चप्पल बांटे गए। साथ ही शिक्षकों का सम्मान भी किया गया। कार्यक्रम में डायरेक्टर राम सुचित मिश्रा, लेखपाल रेवाराम देशमुख, प्रधानाध्यापिका ईश्वरी गायकवाड़, सीमा देवांगन, चुनेराम साहू, मनोरमा चंद्राकर, गरिमा सिन्हा, रितुराज साहू और गिरिवर साहू उपस्थित रहे। प्राथमिक एवं पूर्व माध्यमिक शाला के सभी बच्चों को सामग्री वितरित की गई।

जन्माष्टमी पर प्रतिबंधित दिवस में अवैध शराब बिक्री, 13 गिरफ्तार

नई दृष्टिबिंदु / दुर्ग

जन्माष्टमी के अवसर पर 4 सितंबर को घोषित प्रतिबंधित दिवस के दौरान अवैध शराब बिक्री के खिलाफ दुर्ग पुलिस ने जिलेभर में अभियान चलाकर 13 आरोपियों को गिरफ्तार किया। पुलिस ने 13 अलग-अलग स्थानों पर दबिश देकर आरोपियों के कब्जे से 369 पौवा अवैध शराब, जिसकी कीमत 41,680 रुपए है, बरामद की। इसके अलावा शराब बिक्री की 2,570 रुपए नकद रकम, एक मोबाइल फोन और एक मोटरसाइकिल भी जब्त की गई।

पुलिस के अनुसार, छत्तीसगढ़ शासन द्वारा जन्माष्टमी के अवसर पर 4 सितंबर को प्रतिबंधित दिवस घोषित किया गया था। इसके मद्देनजर दुर्ग पुलिस ने ऑपरेशन विश्वास के तहत अवैध शराब की बिक्री और भंडारण के खिलाफ विशेष अभियान चलाया। मुखबिरों से मिली सूचनाओं के आधार पर वैशाली नगर, मोहन नगर, पुरानी भिलाई, छावनी, जामुल, अमलेश्वर, नंदिनी नगर और उतई थाना क्षेत्रों में कार्रवाई की गई।

कार्रवाई के दौरान पुलिस टीमों ने अलग-अलग स्थानों पर घेराबंदी कर 13 आरोपियों को शराब बेचते या बिक्री के लिए शराब रखे हुए पकड़ा। गिरफ्तार आरोपियों में चन्द्रकला देवी (30), महेश साहू (20), सुभाष ठाकुर (21), अजय विश्वकर्मा (23), घनश्याम ठाकुर (48), संदीप कुमार (40), सागर सोनी (34), सूरज धीवर (20), घनश्याम वर्मा (30), अशोक गेण्डरे (51), राजा डहरे (19), कलावती (66) और रहिपाल साहू (60) शामिल हैं। पुलिस ने सभी आरोपियों के खिलाफ आबकारी अधिनियम के तहत अलग-अलग प्रकरण दर्ज किए। कार्रवाई के बाद आरोपियों को न्यायालय में पेश किया गया, जहां से उन्हें न्यायिक रिमांड पर भेज दिया गया।

शिक्षक दिवस पर निगम के 59 शिक्षकों का सम्मान

निगम मुख्यालय महात्मा गांधी सदन के सभागार में हुआ आयोजित

नई दृष्टिबिंदु /रायपुर

शिक्षक दिवस पर रायपुर नगर निगम की 6 स्कूलों के 59 शिक्षक-शिक्षिकाओं को महापौर मीनल चौबे ने सम्मानित किया। निगम मुख्यालय महात्मा गांधी सदन के सभागार में आयोजित कार्यक्रम में सभापति सूयर्कांत राठौड़, एमआईसी सदस्य नंदकिशोर साहू, पाषर्दों और अधिकारियों की मौजूदगी में शिक्षकों को श्रीफल व स्मृति चिन्ह दिए गए।

सेवानिवृत्त शिक्षिका मधु शर्मा को भी उनकी सेवाओं के लिए सम्मानित किया गया। महापौर चौबे ने डॉ. सर्वपल्ली राधाकृष्णन के चित्र पर माल्यार्पण कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया। उन्होंने कहा - भारतीय संस्कृति में शिक्षकों का सदैव सम्मान है, वे नौनिहालों का भविष्य गढ़ते हैं

कार्यक्रम में पार्षद अंजलि गोलछा ने अपनी शिक्षिका रचना तिवारी, पार्षद महेश ध्रुव ने शिक्षक यशवंत वर्मा और पार्षद कैलाश बेहरा ने अपने शिक्षक के चरण स्पर्श कर आशीर्वाद लिया। महापौर ने शिक्षकों की समस्याओं को सुनकर निगम स्तर पर समाधान और शासन स्तर की समस्याओं को एमआईसी के माध्यम से शासन को भेजने का आश्वासन दिया।

बस्तर क्षेत्र को हम देश का सबसे अच्छा आदिवासी संभाग बनाएंग- मुख्यमंत्री विष्णु देव साय

नई दृष्टिबिंदु /रायपुर।

तीन दिवसीय दिल्ली प्रवास से लौटने के बाद स्वामी विवेकानंद एयरपोर्ट पर पत्रकारों से चर्चा करते हुए छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने कहा कि दिल्ली में जल शक्ति मंत्रालय के जल सुरक्षा को लेकर शिखर सम्मेलन में शामिल हुए जहां उन्होंने कैच द रेन और जल संचय, जन भागीदारी को प्रस्तुत किया। उन्होंने छत्तीसगढ़ के कोरिया जिले में 5 प्रतिशत मॉडल पर अच्छा काम हुआ है जिसमें किसान अपनी जमीन का 5 प्रतिशत जल के लिए देता है, इसकी प्रशंसा पूरे देश में हुई है।

मुख्यमंत्री साय ने कहा कि जब डबल इंजन की सरकार बनी और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का आशीर्वाद मिला, गृह मंत्री अमित शाह की दृढ़ इच्छाशक्ति और जवानों के अदम्य साहस से जो बस्तर चार दशकों से नक्सलवाद से पीड़ित था, वहाँ आज असंभव सा काम संभव हुआ है और नक्सलवाद समाप्त हुआ है। नक्सलवाद समाप्त हुआ है तो अब विकास को भी वहाँ पहुँचाने के लिए हम संकल्पित हैं। बस्तर क्षेत्र को हम देश का सबसे अच्छा आदिवासी संभाग बनाएंगे और इसके लिए वहां काम भी शुरु हो गया जो आप लोगों के सामने जल्द ही दिखेगा।

खास खबर

शहीद स्मारक के पास तलवार लहराने वाला आरोपी गिरफ्तार

नई दृष्टिबिंदु / रायपुर

रायपुर कमिश्नरेट की एंटी क्राइम एंड साइबर यूनिट और मौदहापारा थाना पुलिस ने संयुक्त कार्वाई में सार्वजनिक स्थान पर तलवार लहराकर दहशत फैलाने वाले आरोपी को गिरफ्तार किया है। पुलिस को 5 सितंबर को सूचना मिली थी कि शहीद स्मारक के पास एक व्यक्ति धारदार तलवार लहराकर लोगों को डरा-धमका रहा है। टीम ने मौके पर घेराबंदी की। पुलिस को देखकर भागने की कोशिश कर रहे आरोपी को पकड़ लिया गया। आरोपी का नाम *अंकित नेताम पिता अमित नेताम, उम्र 19 वर्ष, निवासी गोधपारा छेरीखेड़ी, थाना मंदिर हसौद* बताया गया है। उसके कब्जे से एक लोहे की धारदार तलवार जब्त की गई। थाना मौदहापारा में अपराध क्र. 143/26 धारा 25, 27 आर्म्स एक्ट के तहत कार्वाई की गई। पुलिस रिकॉर्ड के अनुसार आरोपी पूर्व में थाना तिल्दा नेवरा से हत्या के मामले में जेल जा चुका है।

सार्वजनिक स्थान पर तलवार लहराने वाला हिस्ट्रीशीटर गिरफ्तार, 18 अपराध दर्ज

नई दृष्टिबिंदु /रायपुर

विधानसभा थाना पुलिस ने सार्वजनिक स्थान पर तलवार लहराकर दहशत फैलाने वाले हिस्ट्रीशीटर को गिरफ्तार किया है। आरोपी के कब्जे से धारदार तलवार बरामद हुई है।

पुलिस के अनुसार 5 सितंबर को मुखबिर से सूचना मिली कि सड्डू बाजार स्थित सुलभ शौचालय के पीछे एक व्यक्ति तलवार लेकर लोगों को डरा-धमका रहा है। सूचना पर विधानसभा पुलिस ने घेराबंदी कर आरोपी को पकड़ा।

आरोपी ने अपना नाम गोपाल ताण्डी निवासी खालबाड़ा सड्डू, थाना विधानसभा बताया। उसके खिलाफ अपराध क्र. 317/26 धारा 25, 27 आर्म्स एक्ट के तहत केस दर्ज किया गया है। हिस्ट्रीशीटर है आरोपीः पुलिस रिकॉर्ड के अनुसार गोपाल ताण्डी के खिलाफ सिविल लाइन, आजाद चौक, पंडरी और विधानसभा थानों में हत्या, हत्या का प्रयास, छेड़छाड़, पॉक्सो, बलवा, मारपीट, आर्म्स, आबकारी और जुआ एक्ट सहित कुल 18 प्रकरण दर्ज हैं। वह पहले भी जेल जा चुका है। वरिष्ठ अधिकारियों के निर्देश पर अवैध हथियारों के खिलाफ कार्वाई जारी है।

फर्जी नियुक्ति पत्र से नौकरी के नाम पर ठगी

नई दृष्टिबिंदु / रायपुर

तेलीबांधा थाना क्षेत्र में शासकीय विभाग में नौकरी लगाने के नाम पर फर्जी नियुक्ति पत्र देकर ठगी का मामला सामने आया है। पुलिस ने केस दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। मामला अपराध क्र. 381/2026 धारा 318(4), 336(3), 338, 340(2) इठर का है। प्रार्थी विनोद कुमार वर्मा निवासी रायपुर ने शिकायत की थी कि अज्ञात व्यक्ति ने छत्तीसगढ़ राज्य बीज एवं कृषि विकास निगम लिमिटेड में डाटा एंट्री ऑपरेटर के पद पर फर्जी नियुक्ति पत्र तैयार कर उपयोग किया है। विवेचना में गवाह हेमंत साहू पिता रामगोपाल साहू निवासी कसडोल से पूछताछ में आरोपी का नाम सामने आया। आरोपी *कृष्णा अवस्थी पिता कुंजराम अवस्थी उम्र 53 वर्ष ग्राम रिसदा थाना पलारी जिला बलौदाबाजार* ने हेमंत साहू से नौकरी लगाने के नाम पर 2 लाख रुपये लेकर फर्जी नियुक्ति प्रमाण पत्र दिया था।

झीरम पर आधा-अधूरा न्याय, NIA की जांच दिशाहीन रही : दीपक बैज

बड़े नक्सली नेताओं के नाम चाजर्शीट से कैसे हटे

नई दृष्टिबिंदु / रायपुर

झीरम हत्याकांड पर ठक्अ कोर्ट के फैसले को प्रदेश कांग्रेस कमेटी ने आधा-अधूरा न्याय बताया। प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष दीपक बैज ने प्रेस वार्ता में कहा - हम अदालत के फैसले का आदर करते हैं, लेकिन अदालत ने वही दिया जो NIA ने तथ्य रखे। NIA की जांच शुरू से दिशाहीन रही, राजनीतिक षड्यंत्र के पहलू की जांच ही नहीं हुई। बैज ने कहा - शुरुआत में ठक्अ की FIR में दो प्रमुख नक्सली नेता गणपति (मुपल्ला लक्ष्मण राव) और रमन्ना का नाम था। 21 मार्च 2014 को दोनों सहित 26 फरार आरोपियों के खिलाफ वारंट जारी हुआ। अगस्त 2014 तक नाम था, सितंबर 2014 की चाजर्शीट में नाम हटा दिया गया, क्यों?

- देवा उर्फ बारसे सुक्का एलियास देवा वांछित था, इनाम घोषित था, फिर पूछताछ क्यों नहीं?
- ठक्अ ने जिन 26 को फरार घोषित किया था उसमें बसवराजू, गणेश उइके, रूपेश उर्फ संजीव, सुरेन्द्र उर्फ रामचंद्र रेड्डी, जयदेव उर्फ बड्डा देव, सोनू उर्फ भूपति के नाम थे। कई ने सरेंडर किया, ठक्अ ने क्या उन्हें निदोष मान लिया?

सरेंडर करने वाले झीरम में शामिल नक्सलियों से पूछताछ क्यों नहीं?

चैतू उर्फ श्याम दादा (DKSZC सदस्य) - 25 लाख इनामी, झीरम साजिश का मास्टरमाइंड, 9 कैडर के साथ बस्तर पुलिस के सामने सरेंडर। रूपेश उर्फ मोल्ला राजिरड्डी - केंद्रीय समिति सदस्य, सरेंडर के बाद खुद कहा था झीरम संगठन की बड़ी गलती थी। निमर्ला उर्फ सुमित्रा - 20 लाख इनामी महिला कैडर, अग्रिम मोर्चे पर सक्रिय थी।

1 करोड़ का इनामी भूपति उर्फ सोनू दादा - महाराष्ट्र सीएम की मौजूदगी में गढ़चिरौली में सरेंडर। केंद्रीय समिति सदस्य सुजाता - सितंबर 2025 में तेलंगाना में सरेंडर, छत्तीसगढ़ में 40 लाख और तेलंगाना में 25 लाख इनाम।

इनसे पूछताछ क्यों नहीं, अभियोजित क्यों नहीं किया गया? कांग्रेस ने आरोप लगाया - भाजपा की तत्कालीन सरकार शुरू से संदिग्ध रही। न्यायिक जांच आयोग पर तत्कालीन नेता प्रतिपक्ष धरमलाल कौशिक स्टे लेकर आए। कांग्रेस सरकार ने SIT बनाई तो ठक्अ जांच रोकने स्टे ले आई। सुप्रीम कोर्ट ने SIT के पक्ष में फैसला दिया, पर ढाई साल में साय सरकार ने जांच शुरू नहीं की। इससे साबित होता है भाजपा नहीं चाहती झीरम का सच आए। घटना के वक्त भी सरकार-नक्सली सांठगांठ थी और आज भी बड़े नक्सली नेताओं को बचाया गया। प्रेस वार्ता में पूर्व मंत्री डॉ. शिवकुमार डहरिया, प्रभारी महामंत्री मलकीत सिंह गैदू, संचार विभाग अध्यक्ष सुशील आनंद शुक्ला, पूर्व विधायक विकास उपाध्याय, शहर अध्यक्ष श्रीकुमार मेनन, महामंत्री सकलेन कामदार, मुख्य प्रवक्ता धनंजय ठाकुर, सुरेन्द्र वर्मा, सत्य प्रकाश सिंह, सौरभ साहू मौजूद थे।

कांग्रेस ने उठाए ये बड़े सवाल

- जिन 10 लोगों को दोषी पाया गया वे छोटे नक्सली हैं। इतनी बड़ी घटना बिना बड़े नक्सली नेताओं के संभव नहीं।
- NIA ने खुद माना था घटना में 200 नक्सली शामिल थे, 39 नामजद थे, तो सजा सिर्फ 10 को ही क्यों?
- कांग्रेस की परिवर्तन यात्रा की सुरक्षा क्यों हटाई गई? यात्रा का मार्ग किसने, क्यों बदलवाया?
- हमले की योजना किसने बनाई?
- घायल और जीवित बचे पीड़ितों के बयान तक नहीं लिए गए। वे शपथ पत्र के साथ हाजिर हुए, पर बयान शामिल नहीं किए। हफ्तों तक शहीदों के पर्स, फाइलें, दस्तावेज घटनास्थल पर बिखरे रहे, मोबाइल तक जब्त नहीं हुए।
- NIA ने छत्तीसगढ़ पुलिस की SIT को जांच से क्यों रोका?
- मांग : तत्कालीन मुख्यमंत्री, गृहमंत्री, मुख्य सचिव, डीजीपी, एडीजी नक्सल और संदिग्ध समर्पित नक्सलियों का नाकी टेस्ट हो।

पुरानी रंजिश में चाकू से हमला करने वाला फरार आरोपी गिरफ्तार

नई दृष्टिबिंदु /रायपुर

सिविल लाइन थाना क्षेत्र में पुरानी रंजिश को लेकर चाकू से जानलेवा हमला करने वाले फरार आरोपी को एंटी क्राइम एंड साइबर यूनिट और सिविल लाइन पुलिस की संयुक्त टीम ने गिरफ्तार कर लिया है।

मामला अपराध क्र. 454/2026 धारा 296, 351(3), 109(1), 3(5), 309(4) एवं 25, 27 आर्म्स एक्ट का है। पुलिस ने पहले ही आरोपी अजय रक्सेल पिता राज रक्सेल (24) निवासी नवभारत प्रेस, रजबंधा मैदान को गिरफ्तार कर लिया था। फरार आरोपियों की तलाश में टीम लगातार दबिश दे रही थी।

इसी दौरान सूचना पर आरोपी हर्ष कोसले पिता स्व. जागेश्वर कोसले उम्र 22 साल निवासी बड़ा भवानी नगर, सुलभ के पास थाना सरस्वती नगर, हाल पता - नवभारत प्रेस के पास रजबंधा मैदान को पकड़ा गया। उसके कब्जे से घटना में प्रयुक्त 1 चाकू जब्त किया गया।

हर्ष कोसले आदतन अपराधी है। उसके खिलाफ रायपुर के विभिन्न थानों में हत्या के प्रयास के 3 प्रकरण सहित आर्म्स एक्ट, मारपीट के कई केस दर्ज हैं। वह राजनांदगांव में लूट के मामले में भी जेल जा चुका है। पुलिस के अनुसार प्रकरण में एक अन्य आरोपी अभी भी फरार है, जिसकी तलाश जारी है। पुलिस ने बताया कि कृष्णा अवस्थी थाना पलारी के अपराध क्र. 347/2026 में पहले से ही जेल में निरुद्ध है। इस प्रकरण में भी न्यायालय से आदेश लेकर पूछताछ की जाएगी। फर्जी दस्तावेजों की जांच और अन्य संलिप्त लोगों की भूमिका पर विवेचना जारी है।

प्रधानपाठिका डॉ. विनीता राजपूत का उत्कृष्ट कार्य के लिए चयन

नई दृष्टिबिंदु / खैरागढ

प्राथमिक शाला मडौदा, विकासखंड खैरागढ़ में पदस्थ प्रधानपाठिका डॉ. विनीता राजपूत का उत्कृष्ट शैक्षणिक कार्य एवं सेवाभाव के लिए राज्यपाल सम्मान के लिए चयन हुआ है। यह खैरागढ़ क्षेत्र के लिए गौरव का विषय है। डॉ. राजपूत ने सेवाकाल में बच्चों को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा के साथ संस्कार, अनुशासन और नैतिक मूल्यों पर जोर दिया। कमजोर और जरूरतमंद विद्याथियों को व्यक्तिगत मार्गदर्शन और उच्च शिक्षा के लिए प्रेरणा देना उनकी विशेष पहचान रही है। सम्मान पर डॉ. विनीता ने कहा - यह गर्व का विषय है, उच्च अधिकारियों, सहकर्मियों और अभिभावकों के सहयोग से यह संभव हुआ। उनके चयन पर शिक्षकों, अभिभावकों और क्षेत्रवासियों ने हर्ष व्यक्त कर बधाई दी।

लूट के माल के बंटवारे पर गैंग में भिड़ंत, मारपीट ने खोला दो लूट का राज, 6 गिरफ्तार

घर में घुसकर हथियार दिखाकर करीब 50 हजार के सोने के जेवर लूट लिए गए

नई दृष्टिबिंदु / बिलासपुर

कहते हैं अपराधी कितना भी शातिर हो, एक गलती पूरा खेल बिगाड़ देती है। कोटा में लूट के माल के बंटवारे को लेकर गैंग के सदस्य आपस में भिड़ गए। पेट्रोल पंप के पास मारपीट के बाद घायल आरोपी शिकायत लेकर थाने पहुंचा और पूछताछ में दो लूट का राज खुल गया।

एएसपी मधुलिका सिंह ने बताया कि गिरोह ने जुलाई में दो वारदात की थीं। 8 जुलाई को बेलगहना रेलवे स्टेशन से 7430 रुपये कलेक्शन लेकर जा रहे रेलवे कमर्चारी को बरम बाबा मोड़ सलका डैम के पास लूटा गया। 18 जुलाई को बुर्का पहनकर राजकुमारी जायसवाल के घर में घुसकर हथियार दिखाकर करीब 50 हजार के सोने के जेवर लूट लिए गए। जांच में सामने आया कि राकेश जायसवाल ने दिव्यांशु जायसवाल और आदर्श तिवारी के साथ मिलकर वारदात की योजना बनाई। हथियार के लिए सनी सिंह के जरिए रीवा से पिस्टल मंगाई गई। लूटा गया सोना हर्ष नामदेव की मदद से हर्ष सोनी की ज्वेलरी दुकान में बेचा गया। पुलिस ने 6 आरोपियों - राकेश जायसवाल (35), दिव्यांशु जायसवाल (24), आदर्श तिवारी (26), हर्ष नामदेव (25), हर्ष सोनी (24) और सनी सिंह (35) को गिरफ्तार कर पिस्टल, सोने के जेवर, अटिर्गा कार, प्लेटिना बाइक और 6 मोबाइल जब्त किए हैं। पुलिस का दावा है कि दोनों वारदातों का 100 प्रतिशत माल बरामद हो गया है।

NFHS-6 में राजनांदगांव की स्वास्थ्य तस्वीर बदली, 94.9% परिवारों के पास स्वास्थ्य बीमा

नई दृष्टिबिंदु / राजनांदगांव

राष्ट्रीय परिवार स्वास्थ्य सर्वेक्षण-6 (2023-24) में राजनांदगांव जिले की स्वास्थ्य सेवाओं में बड़ी प्रगति सामने आई है। मातृ स्वास्थ्य, स्वास्थ्य सुरक्षा, महिला सशक्तिकरण और शिशु स्वास्थ्य के संकेतकों में सुधार दर्ज हुआ है।

स्वास्थ्य बीमा कवरेजः NFHS-5 में 80.8% से बढ़कर NFHS-6 में 94.9% परिवार कवर बैंक खाताः 99.4% परिवारों के पास बैंक/डाकघर खाता **प्रसव पूर्व जांच** - 99.4% माताओं को कम से कम 1 अठउ, 85.1% ने 4 अठउ विजिट पूरी की, पहली तिमाही में अठउ 79.8% से बढ़कर 83.4% IFA सेवनः 100 दिन क्क्ष्ठ लेने वाली माताएं 52.7% से 81.1% और 180 दिन लेने वाली 28.1% से 59.6% हुई

***महिला सशक्तिकरण में छलांग** - 10 वर्ष से अधिक शिक्षा वाली महिलाएं 38.9% से 45.5%, इंटरनेट यूज करने वाली 31.6% से 57% हो गईं। 95.3% महिलाओं का खुद का बैंक खाता और 50.4% के पास खुद का मोबाइल है।

बाल स्वास्थ्य - 12-23 माह के 84.2% बच्चे पूर्ण टीकाकृत, पोलियो की 3 खुराक 90.5%, पेंटावेलेंट 89.7% और एमसीवी पहली खुराक 92.2% बच्चों को मिली। जन्म के 1 घंटे में स्तनपान 20.1% से बढ़कर 61.5% हो गया। स्वास्थ्य विभाग का कहना है कि बचे हुए संकेतकों में सुधार के प्रयास जारी हैं।

विधायक निवास पर नपा चुनाव पर कांग्रेस का मंथन, जिताऊ प्रत्याशी को टिकट देने पर जोर

नई दृष्टिबिंदु /खैरागढ

नगर पालिका चुनाव को लेकर कांग्रेस ने तैयारी तेज कर दी है। विधायक यशोदा नीलांबर वर्मा के निवास पर अहम बैठक हुई, जिसमें वार्ड आरक्षण और प्रत्याशी चयन पर चर्चा हुई। 7 सितंबर को होने वाले वार्ड आरक्षण के बाद वाडर्वार रणनीति और संभावित प्रत्याशियों के नामों पर मंथन करने पर सहमति बनी। बैठक में जिताऊ, जमीनी पकड़ वाले प्रत्याशी को टिकट देने पर जोर दिया गया। विधायक यशोदा वर्माः* टिकट में कार्यकर्ताओं की भावना और जमीनी स्थिति देखी जाएगी। पार्टी हित सर्वोपरि, जीतने की क्षमता वाले को टिकट मिलेगा।

नीलांबर वर्मा (प्रदेश कार्यसमिति) :संगठन की एकजुटता सबसे महत्वपूर्ण, आरक्षण के बाद हर वार्ड का आकलन कर निर्णय होगा। जिला अध्यक्ष कोमल साहूः जनस्वीकायर्ता और सक्रियता को प्राथमिकता, सभी अधिकृत प्रत्याशी को जिताएंगे। शहर अध्यक्ष अरुण भारद्वाज और महामंत्री मिहिर झाः आरक्षण के बाद तैयारी तेज होगी, दावेदारी लोकतांत्रिक है पर प्रत्याशी घोषित होने के बाद सभी एकजुट होकर काम करेंगे। बैठक में मनराखन देवांगन, दीपक देवांगन, गुलाब चोपड़ा, नदीम मेमन सहित पदाधिकारी उपस्थित रहे।

संपादकीय

बस्ते का बोझ, बचपन पर भारी

बच्चों के कंधों पर बढ़ता बस्ते का बोझ केवल किताबों और कॉपियों का वजन नहीं है, बल्कि यह उस बचपन का भी भार है, जिसे खेलते, सीखते और मुस्कुराते हुए बीतना चाहिए। स्कूल की पढ़ाई के साथ लगातार बढ़ती किताबें, कॉपियां, प्रोजेक्ट और अतिरिक्त सामग्री बच्चों के लिए स्कूल बैग को बोझिल बना देती हैं। आज स्थिति यह है कि कई बच्चे अपनी उम्र और शारीरिक क्षमता से अधिक वजन का बस्ता लेकर स्कूल जाने को मजबूर हैं। कम उम्र में भारी बस्ता उठाने से बच्चों की पीठ, कंधों और गर्दन पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ सकता है। इससे उनकी शारीरिक गतिविधियां भी सीमित होती हैं और स्कूल जाने का उत्साह प्रभावित होता है।

शिक्षा का उद्देश्य बच्चों के मन में ज्ञान के प्रति जिज्ञासा पैदा करना होना चाहिए, न कि उनके कंधों पर किताबों का भार बढ़ाना। आधुनिक शिक्षा व्यवस्था में डिजिटल संसाधनों और स्कूल स्तर पर बेहतर प्रबंधन के जरिए बस्ते का वजन कम किया जा सकता है। स्कूलों को भी यह सुनिश्चित करना चाहिए कि बच्चे केवल आवश्यक किताबें और सामग्री ही लेकर आएं।

अभिभावकों की भूमिका भी महत्वपूर्ण है। बच्चों को हर सुविधा देने की होड़ में उनके बस्ते में अनावश्यक सामग्री भरने के बजाय यह देखना जरूरी है कि उन्हें वास्तव में किस चीज की आवश्यकता है।

बचपन किताबों के बोझ तले दबने के लिए नहीं, बल्कि ज्ञान, खेल और कल्पना के साथ खिलने के लिए है। इसलिए स्कूल, शिक्षक और अभिभावक मिलकर ऐसा वातावरण बनाएं, जहां शिक्षा बच्चे के कंधों पर बोझ नहीं, बल्कि उसके भविष्य की मजबूत नींव बने।

करियर की अंधी दौड़ में हांफती युवा पीढ़ी !

भारत युवाओं का देश है। जाहिर है ऐसे देश की चिंताएं बहुत अलग होती हैं। उसकी ज्यादातर आबादी को शिक्षा, रोजगार और सुंदर जीवन की कामना होती है। उनकी महत्वाकांक्षाएं , अवसरों की होड़ और दौड़। पाने की खुशी और न मिलने का आक्रोश सब साझा होते हैं। करियर में सफल होने, जल्दी और ज्यादा पाने की कामनाएं इस दौर का मूल्य हैं। ऐसे में शारीरिक और मानसिक स्वास्थ्य दोनों को गहरी चुनौती है। संकट के बादल गहरे हैं। समाधान के सूत्र -न्यूनतम।

बदलती कार्य संस्कृति

सरकारों में नौकरियों के दरवाजे सिकुड़ रहे हैं। ज्यादातर नौकरियां निजी क्षेत्रों में ही हैं। नौ से पांच बजे की पक्की नौकरियां अब स्वप्न ही हैं। उनकी जगह गिग इकोनामी (फ्री लांस, कांट्रैक्ट वर्क) ने ले ली है। आर्थिक स्वतंत्रता की तो छोड़िए यह माडल भविष्य की अनिश्चितता और वित्तीय अस्थिरता भी ला रहा है, जिसके नाते बढ़ता मानसिक तनाव और अवसाद संकट को गहरा कर रहा है। हिंदुस्तान अलग तरह से चलता रहा है। परिवार इसकी प्राणवायु रहे हैं। परिवार का कोई एक आदमी नौकरी पर रहता था, शेष अपने घर-इलाके-गांव में बैठकर स्थानीय स्तर पर जो कर सकते थे करते थे। परिवार की छाया में सुरक्षा थी, संरक्षण था, बच्चों को संस्कारित करने के पारिवारिक उपक्रम थे। नई व्यवस्था ने एक परिवार में कई परिवार खड़े कर दिए हैं। इससे एक की जगह अब चार परिवार, चार चूल्हे और चार व्यवस्थाएं खड़ी करनी पड़ रही है। आप कितना भी कमा रहे हैं वह कम ही है। इसने नई पीढ़ी को ईएमआई के दुष्चक्र में फंसा कर नई व्यवस्थाओं का गुलाम बना दिया है। परिवार व्यवस्था भारत की संस्कृति का आधार रही है। वह संस्कारशाला भी है।

कार्य और जीवन का संतुलन

कृत्रिम बुद्धिमत्ता ने हमारे सामने नई चुनौतियां पेश की हैं। वे बेहतर सहायक से ज्यादा तनाव के वाहक हैं। युवाओं में एआइ के कारण नौकरियां जाने और खुद के अप्रासंगिक हो जाने का भय बैठ गया है। वे इस पूरे दृश्य को बहुतचिंता से देख रहे हैं। री-स्किलिंग का दबाव उन्हें गहरे भय में डाल रहा है। इससे मानसिक थकान होना स्वाभाविक ही है। इस समय सबसे बड़ी चिंता कार्य और जीवन संतुलन की है। वर्क फ्राम होम और डिजिटल कनेक्टिविटी ने सारा कुछ बदलकर रख दिया है। काम के घंटे अब प्रायः 24 घंटे ही हैं। देर रात तक ई-मेल, रिपीट्स और मैसेज का जवाब देते हुए युवा ह्यआलवेज आनह्न मोड में रहते हैं। जिससे पारिवारिक जीवन, व्यक्तिगत समय और नींद सब प्रभावित हो रही है। बर्नआउट की बढ़ती दर, काम के अनिश्चित घंटों, काम की वातावरण और टारगेट पूरे करने का दबाव साथ चलता है। विश्व स्वास्थ्य संगठन(डब्लूएचओ) ने बर्नआउट को प्रोफेशनल बीमारी मान लिया है। यह अब भारतीय कारपोरेट जगत में एक अनिवार्य समस्या बन गयी है।

सोशल मीडिया से बनती छवियां

सोशल मीडिया ने समाज में अलग तरह की स्पर्धा की छवियां प्रस्तुत की हैं। अपने सुखद, आनंद के क्षणों को वायरल करने की बीमारी दूसरे की पीड़ा का कारण बन जाती है। किसी की बड़ी पदस्थापना, उसकी पार्टियां, रील्स, पर्यटन की तस्वीरें, महंगी जीवनशैली का विज्ञापन करना, सफलताओं के हाईलाइट्स देखकर तुलना और स्पर्धा की बातें तेज होती हैं। इससे हीनभावना और तनाव का जन्म भी होता है। परिजन और बच्चे भी अपने पालकों से ऐसी ही जीवन शैली की अपेक्षा करते हैं। ऐसे समय में युवाओं के लिए तनाव प्रबंधन की विधियां समझने और जीवन -जीवन की ठोस सच्चाइयों से जोड़ने की जरूरत है। योग, ध्यान के अनेक अभ्यास जीवन में शांति ला सकते हैं। जिंदगी के हमारे दृष्टिकोण में परिवर्तन ला सकते हैं। रील्स की तुरंतवादी जीवनशैली और जीवन के सतत संघर्ष को समझने की जरुरत है।सोशल मीडिया से प्रक्षेपित हो रही छवियों से प्रभावित होने के बजाए, लोगों के संघर्ष और उससे उपजी सफलताओं के पाठ भी पढ़े जाने चाहिए।

उद्यमिता और उसके जोखिम

नए समय ने युवाओं को उद्यमिता के गुर दिए हैं। यह पीढ़ी जोखिम उठाने और सफलताओं के नए शिखर छूने वाली पीढ़ी है। इसके मंत्र अलग हैं। वे जल्दी से सफलताओं के नए क्षितिज को छूना चाहते हैं। छू भी रहे हैं। कम आयु में उनकी सफलताएं विस्मित करने वाली हैं। उनके स्टार्टअप धूम मचा रहे हैं। सफलता की बड़ी कहानियां लिख रहे हैं। प्रेरित कर रहे हैं। इसके दूसरे पक्ष का विचार भी जरूरी है। हमें पता है कि 90 प्रतिशत से अधिक स्टार्टअप शुरुआती सालों में ही अन्यान्य कारणों से विफल हो जाते हैं। विफलता का डर, निवेशकों का दबाव, फंडिंग का संकट संस्थापकों और शुरुआती कमर्चारियों में मानसिक तनाव पैदा कर ही देता है।

इतने बड़े देश में हर साल लाखों युवा हाथ काम मांगने के लिए खड़े हो जाते हैं। उनके पास डिग्रियां भी होती हैं। किंतु वे कौशल युक्त नहीं होते। वे डिग्रीधारी हैं किंतु किसी काम के नहीं हैं। बाजार की जरूरतें अलग हैं, उनके कौशल अलग हैं। ऐसे में बहुत योग्य लोगों को भी अपेक्षित नौकरी नहीं मिल पाती, अच्छे वेतन की तो जाने ही दीजिए। युवाओं के ज्यादातर संकट वास्तविक हैं। वे जानकारी से भरपूर हैं, उनके पास अवसरों का जनतंत्र है। आकांक्षाओं की बाढ़ है। वे सूचनाओं से लदे-फंदे हैं। वह ज्यादा सूचनाएं भी दुख और भ्रम का कारण बन रही हैं। आकांक्षाओं का बड़ा आकाश उतनी ही गहरी निराशा लेकर लाता है। यह साधारण नहीं है कि आईआईटी के विद्यार्थी आत्महत्या कर रहे हैं। ऐसे प्रतिभाशाली विद्यार्थियों का अवसान उनके परिवार,देश और समाज के लिए भी बड़ी क्षति है । परीक्षाओं में मिलती असफलताएं, लीक होते प्रश्नपत्र, परीक्षाओं की नष्ट होती शुचिता, सरकारी- प्रशासनिक तंत्र की कदाचार रोकने की विफलताओं ने युवाओं को गहरी चिंताएं दी हैं। शिक्षा के निजीकरण और उससे उपजे बाजारीकरण ने हालात बहुत बदल दिए हैं। महंगी शिक्षा के लिए परिवार कर्ज में डूब रहे हैं। प्रतिभा पलायन का संकट तो है ही। समाज में यह बात बहुत गहरे पैठ रही है इस देश में प्रतिभाशाली युवाओं की जगह नहीं बची है। यह तथ्य नहीं किंतु गहराई से फैलती धारणा है। आप बिना जुगाड़ के इस व्यवस्था में सफल नहीं हो सकते। किसी राष्ट्र जीवन में ऐसी धारणाएं ठीक नहीं हैं। हमें समझना होगा कि राष्ट्र से हम सबकी सामूहिक आकांक्षाएं,साझे प्रयासों से ही फलीभूत होंगी।भारत की आजादी के आठ दशक अभूतपूर्व प्रगति, एकत्व और जीवंत लोकतंत्र के प्रमाण हैं। हर राष्ट्र जीवन में चुनौतियां होती हैं, उससे जूझकर हम अपने संकटों का हल खोजते हैं। देश की युवा पीढ़ी भी अपने संकटों के बीच इस राष्ट्र जीवन के समक्ष उपस्थित प्रश्नों के ठोस और वाजिब हल जरुर तलाशेगी। युवा शक्ति की तेजस्विता, नवाचारों और आत्मविश्वास को देखकर यह विश्वास सहज ही होता है।

(लेखक माखनलाल चतुर्वेदी राष्ट्रीय पत्रकारिता एवं संचार विश्वविद्यालय, भोपाल में जनसंचार विभाग के अध्यक्ष हैं।)

गाँव अभी बाकी है

आज की तेज रफ्तार जिंदगी में हम अपने गाँवों से, अपनी मिट्टी से और उन रिश्तों से धीरे-धीरे दूर होते जा रहे हैं, जिन्होंने कभी हमारे जीवन की नींव रखी थी। जिन गलियों में हमारा बचपन बीता, जिन खेतों की मिट्टी हमारे पैरों से लगी, जिन पेड़ों की छाँव में हमने खेलना सीखा, जिन बुजुर्गों के आशीर्वाद ने हमें आगे बढ़ने का साहस दिया और जिस गाँव ने हमें हमारी पहली पहचान दी—समय बीतने के साथ वही गाँव कहीं पीछे छूटता चला जाता है। नई पीढ़ी शहरों की ओर बढ़ रही है। शिक्षा, रोजगार और बेहतर जीवन की तलाश में गाँव से दूर जाना स्वाभाविक भी है, लेकिन प्रश्न यह है कि क्या गाँव से दूर हो जाना अपने गाँव को भूल जाना भी है? क्या जिस मिट्टी ने हमें जन्म दिया, उसके प्रति हमारा कोई दायित्व नहीं? और आने वाली पीढ़ी उस गाँव से अपना संबंध कैसे बनाए रखेगी, जहाँ कभी हमारे पुरखों ने अपना जीवन जिया था? गाँव केवल घरों, खेतों और रास्तों का नाम नहीं है। गाँव स्मृतियों का घर है, रिश्तों की पाठशाला है और हमारी जड़ों की पहचान है। समय के साथ गाँव बदलते हैं, लोग बदलते हैं, बगीचे उजड़ते हैं, पुराने मकान खामोश हो जाते हैं और बचपन के साथी बिछड़ जाते हैं, लेकिन मनुष्य के भीतर बसी अपनी मिट्टी की पुकार कभी पूरी तरह समाप्त नहीं होती।

यह कहानी ऐसी ही एक स्त्री की है, जिसने वर्षों बाद अपने बचपन के गाँव को याद किया। उसने केवल अपने अतीत को देखने के लिए गाँव की ओर कदम नहीं बढ़ाया, बल्कि वहाँ पहुँचकर अपने वर्तमान को भी गाँव के भविष्य से जोड़ दिया। उसने जो देखा, उसे केवल याद करके वापस नहीं लौटी; उसने अपनी जिम्मेदारी को पहचाना और अपनी सामर्थ्य के अनुसार गाँव के लिए कुछ करने का संकल्प लिया। शायद यही सच्चे अर्थों में अपने गाँव को जीना है—सिर्फ जन्मभूमि को याद करना नहीं, बल्कि उसके प्रति अपना फर्ज निभाना। बुआ की कहानी हमें यह सोचने के लिए विवश करती है कि यदि हर व्यक्ति अपनी जड़ों को याद करे, अपने गाँव और समाज के प्रति अपनी जिम्मेदारी को समझे और अपनी क्षमता के अनुसार थोड़ा-सा भी योगदान दे, तो गाँव केवल अतीत की कहानी बनकर नहीं रहेंगे। उनमें फिर शिक्षा का उजाला होगा, स्वास्थ्य की सुविधा होगी, बच्चों के सपने होंगे और रिश्तों की वह मिठास लौटेगी, जिसे आज की भागती हुई जिंदगी कहीं पीछे छोड़ आई है।

क्योंकि गाँव को बचाना केवल गाँव की जिम्मेदारी नहीं है; गाँव से निकले हर व्यक्ति का भी यह फर्ज है।

और शायद इसी एहसास के साथ इस कहानी की सबसे महत्वपूर्ण बात सामने आती है—गाँव बदल सकता है, गाँव दूर हो सकता है, लेकिन गाँव हमारे भीतर से कभी पूरी तरह समाप्त नहीं होता। गाँव अभी बाकी है।

वर्षों बाद बुआ घर आईं तो घर का सारा वातावरण ही बदल गया। हँसमुख स्वभाव की बुआ के आने से पुरानी बातें और किस्से फिर जीवित हो उठे। अमर और विजय अब शहर में रहने लगे थे, लेकिन बुआ का मन आज भी अपने गाँव में ही बसा था। उन्हें गाँव की वे गलियाँ याद आती थीं, जहाँ वे बचपन में खेली थीं और स्कूल जाया करती थीं। वह बाग-बगीचा याद आता था, जहाँ वे फूल तोड़ने और आम बीनने जाती थीं। वे लोग भी याद आते थे, जिनके साथ उनका बचपन बीता था। एक दिन बुआ ने अमर से कहा—ह्यअमर, एक दिन मुझे गाँव घुमा लाना। अपना घर, स्कूल, मंदिर और नदी सब देखना है ह्य अमर ने कहा—ह्यबुआ, जब आप कहें, चलेंगे ह्य एक दिन सुबह-सुबह गाड़ी लेकर गाँव घूमने का कार्यक्रम बन गया। गाँव जाने वाली कच्ची सड़क अब पक्की हो गई थी और गलियाँ भी पक्की हो चुकी थीं। सड़क को देखते हुए बुआ पुरानी यादों में खो गईं। उन्होंने कहा—ह्यपहले बैलगाड़ी से गाँव जाना पड़ता था। चार-चार घंटे लग जाते थे। सामान लाने और यात्रियों को गाँव तक पहुँचाने का साधन भी बैलगाड़ी ही होती थी। अपने घर के बैल तो सड़क और घर को पूरी तरह पहचानते थे। कभी-कभी गाड़ीवान गाड़ी में सो भी जाता था, फिर भी बैलगाड़ी सीधे घर के सामने आकर रुक जाती थी। बैलों के गले में बंधी घंटियों की आवाज से ही पता चल जाता था कि गाड़ी आ गई ह्य यह मालगुजारी का जमाना था। उस समय गाँव की बुजुर्ग महिलाएँ भी बुआ का बहुत सम्मान करती थीं। जब वे स्कूल या कहीं और

जातीं तो कई बार बुजुर्ग महिलाएँ उनके पैर छू लेतीं। बुआ उन्हें रोकते हुए कहतीं—ह्यचाची, आप बड़ी हैं, हमारे पैर मत पड़ा करो ह्य चाची हँसकर कहतीं—ह्यबेटियाँ सदैव बड़ी रहती हैं। बेटी के पैर पड़ने से भगवान खुश होते हैं ह्य बुआ को आज भी वह बात याद थी। उस समय गाँव में रिश्ते केवल नाम के नहीं होते थे। हर महिला चाची, भाभी, दीदी या बुआ होती थी और हर पुरुष चाचा, भैया या काका। किसी के घर में सुख हो या दुख, पूरा गाँव उसमें शामिल होता था। रिश्तों में औपचारिकता नहीं, आत्मीयता थी। बुआ को उन पारिवारिक संबंधों की मिठास आज भी बहुत भाती थी। गाँव पहुँचते ही बुआ ने सबसे पहले अपना स्कूल देखने की इच्छा जताई। स्कूल वही था, लेकिन सब कुछ बदल चुका था। न कोई पुराना शिक्षक था, न कोई परिचित छात्रा। फिर भी जैसे ही बुआ स्कूल के परिसर में पहुँचीं, उनके भीतर एक अजीब-सी आत्मिक शांति उतर आई। वे काफी देर तक वहीं बैठी रहीं और वर्तमान शिक्षकों से पुरानी बातें करती रहीं। कभी कमरे को देखतीं, कभी बरामदे को और कहतीं—ह्यवहीं बैठकर पढ़ा करती थी मैं ह्य इसके बाद वे उस बगीचे की ओर गईं, जहाँ कभी वे आम बीनने और फूल तोड़ने जाया करती थीं। लेकिन वहाँ अब कोई बगीचा नहीं था। एक-दो पुराने पेड़ों को छोड़कर अधिकांश पेड़ काट दिए गए थे। कहीं खेत था, कहीं मैदान और कहीं मकान। बुआ बहुत देर तक उस जगह को देखती रहीं। उन्हें अपने पिताजी का लगभग सौ एकड़ का बगीचा याद आ गया, जहाँ उनकी मालगुजारी थी। उन्हें अपना पुराना बाड़ा भी याद आया, जहाँ उनके बड़े पिताजी अनाज रखा करते थे। बड़े-बड़े कमरे बने हुए थे। एक कमरे में गेहूँ, दूसरे में चना, तीसरे में मक्का और किसी अन्य कमरे में बाजरा रखा जाता था। मालगुजारी समाप्त हुई तो धीरे-धीरे वह सब भी समाप्त हो गया। अनाज आना बंद हुआ और समय के साथ वे बड़े-बड़े कमरे भी ढह गए। लेकिन उन कमरों के बीच एक कमरा ऐसा भी था, जिसे बुआ कभी नहीं भूल पाईं। वहाँ मखमल लगी एक शानदार पालकी रखी रहती थी। शादी-विवाह, धार्मिक आयोजन या किसी विशेष अवसर पर उसका उपयोग होता था। बुआ अपनी बहनों और सहेलियों के साथ उस पालकी में बैठकर खेला करती थीं। आज उन्हें वह सब फिर याद आ गया। कुछ क्षणों के लिए वे जैसे वर्तमान से निकलकर किसी दूसरे लोक में चली गईं। ह्यअमरह्न अपना घर देख लें ह्य बुआ की आवाज सुनकर अमर चुप हो गया। कुछ दूर से उसने पुराने घर की ओर इशारा किया। ह्यवहीं है बुआ ह्य दो मंजिला बहुत बड़ा घर था। आसपास चाचा, बड़े पिताजी और परिवार के अन्य लोगों के घर भी थे, लेकिन अब उनमें से कोई वहाँ नहीं रहता था। गाँव में डकैतों की लूटपाट और आतंक, आवागमन के साधनों की कमी तथा व्यापार और रोजगार के पर्याप्त अवसर न होने के कारण अधिकांश परिवार धीरे-धीरे गाँव छोड़कर शहरों में चले गए थे। खाली पड़े मकानों पर गाँव के दबंग लोगों ने कब्जा कर लिया था। अमर ने दूर से ही घर दिखाते हुए कहा—ह्यघर का आधा हिस्सा किराये पर दिया गया था। धीरे-धीरे किरायेदार ने पूरा घर और दुकानें ताला तोड़कर अपने कब्जे में कर लीं ह्य बुआ चौंककर बोलीं—ह्यतो फिर खाली क्यों नहीं करवाते ह्य अमर कुछ देर चुप रहा। फिर धीमी आवाज में बोला—ह्यअब कौन उनसे झगड़ा करे? लड़ाई-झगड़ा करने लगते हैं। किसी तरह खाली भी करवा लें तो दूसरा आदमी उनके डर से दुकान या मकान किराये पर लेने नहीं आएगा। गाँव में इनका आतंक है। इसलिए हम लोग दुश्मनी मोल नहीं लेना चाहते ह्य अमर ने बात तो समाप्त कर दी, लेकिन उसके चेहरे पर अपना घर और दुकानें दूसरों के कब्जे में देखकर जो पीड़ा थी, वह साफ दिखाई दे रही थी। बुआ ने पूछा—ह्यअपने खेतों का क्या हाल है ? ह्य अमर ने कहा—ह्यपापा खेत बटाई पर देते थे। धीरे-धीरे दबंग लोगों ने उन पर भी कब्जा कर लिया। पापा के देहांत के बाद तो गाँव में उनका आतंक और बढ़ गया ह्य बुआ ने फिर पूछा—ह्यघर पर कब्जा करने वाले और खेत पर कब्जा करने वाले अलग-अलग लोग हैं या एक ही ? ह्य ह्यअलग-अलग हैं, लेकिन दोनों में बहुत घनिष्ठता है ह्य अमर की उदासी देखकर बुआ को पुराने दिन याद आ गए, जब गाँव में उनके पिताजी का दबदबा था और परिवार का अपना सम्मान और रुतबा था। उन्हें अपने बड़े भैया भी याद आए, जो पढ़ने के लिए लखनऊ गए थे। छुट्टियों में गाँव आते तो बिल्कुल गाँव के लोगों जैसे हो जाते, लेकिन शहर में उनका पहनावा और व्यक्तित्व अलग ही दिखाई देता था। गाँव के लोग जब शहर जाते तो भैया उनके खाने-ठहरने और घूमने की पूरी व्यवस्था करते। गाँव वाले लौटकर बताते—ह्यशहर में भैया कोट-पैंट और टाई लगाकर किसी बड़े अधिकारी जैसे लगते हैं ह्य बुआ के चेहरे पर हल्की मुस्कान आ गई। समय सचमुच कितना बदल जाता है। इसके बाद बुआ गाँव के मंदिर पहुँचीं। यह उनका पुश्तैनी मंदिर था। गाँव वालों के आग्रह पर मंदिर आज भी उसी स्थान पर था, यद्यपि उसके बाहरी रूप में काफी परिवर्तन आ गया था। मंदिर का आकार अब और बड़ा हो गया था, लेकिन अंदर वही पुरानी मूर्तियाँ थीं। मंदिर में प्रवेश करते ही बुआ को एक अद्भुत शांति का अनुभव हुआ। उन्हें पुराने पुजारी बाबा याद आ गए। बाबा ज्योतिष की गणना के लिए पूरे गाँव में प्रसिद्ध थे। एक बार हायर सेकेंडरी की परीक्षा देने के बाद बुआ ने बाबा से पूछा था—ह्यबाबा, इस बार मेरा परिणाम कैसा रहेगा ? ह्य बाबा ने कहा था—ह्यबिटिया, इस वर्ष तुम पास हो जाओगी ह्य परिणाम आया तो सूची में बुआ का रोल नंबर ही नहीं था। बुआ दौड़कर बाबा के पास पहुँचीं और बोलीं—ह्यबाबा, मैं तो फेल हो गई। आप तो पास होने की बात कह रहे थे ह्य बाबा ने शांत भाव से कहा—ह्यबिटिया, तुम पास जरूर होगी। फेल नहीं हो सकती ह्य बुआ को बाबा की बात पर विश्वास नहीं हुआ, लेकिन तीन-चार दिन बाद जब वे स्कूल पहुँचीं तो संशोधित परिणाम सूची में उनका नाम था। वे पास थीं। उस दिन से बाबा के प्रति उनका विश्वास और गहरा हो गया। आज मंदिर में बैठकर उन्हें वह घटना फिर याद आ गई। बुआ ने वहाँ बैठे लोगों को भी वह प्रसंग सुनाया। कहानी सुनाते-सुनाते उनकी आँखें भर आईं। बुआ ने गाँव को ध्यान से देखा। सड़कें तो पक्की हो गई थीं, लेकिन गाँव का वास्तविक विकास अभी भी अधूरा था। शिक्षा की पर्याप्त व्यवस्था नहीं थी। बच्चों को कंप्यूटर शिक्षा के लिए शहर जाना पड़ता था। बुआ ने गाँव वालों से कहा—ह्यअगर आप लोग तैयार हों तो मैं गाँव में कंप्यूटर की कक्षाएँ शुरू करवाना चाहती हूँ ह्य गाँव वालों में उत्साह फैल गया। रामनाथ, जो मंदिर की व्यवस्था देखते थे, बोले—ह्यदीदी, अभी कुछ दिनों तक मंदिर में ही कंप्यूटर की कक्षाएँ शुरू कर देते हैं। बच्चों की संख्या बढ़ेगी तो बाद में अलग व्यवस्था कर लेंगे ह्य बुआ ने कहा—ह्यठीक है। अगले महीने की पहली तारीख से कक्षा शुरू करवा देते हैं ह्य गाँव के बच्चों के लिए यह किसी नई दुनिया के दरवाजे खुलने जैसा था। गाँव में स्वास्थ्य सुविधा भी लगभग नहीं थी। छोटी-छोटी बीमारियों के इलाज के लिए भी ग्रामीणों को शहर जाना पड़ता था। बुआ अपने परिचित डॉ. राकेश गुप्ता से पहले भी कई बार गाँव में सेवा देने का आग्रह कर चुकी थीं। राकेश ने बुआ के सहयोग से ही मेडिकल की शिक्षा पूरी की थी। बुआ ने रामनाथ से कहा—ह्यअगर राकेश यहाँ एक छोटी-सी डिस्पेंसरी शुरू कर दे तो गाँव के लोगों को बहुत सुविधा होगी। साथ ही उसे भी ग्रामीण क्षेत्र में सेवा करने का अनुभव मिलेगा ह्य रामनाथ और अन्य ग्रामीण बहुत खुश हुए। ह्यदीदी, यह तो बहुत अच्छी बात है। अब हमारे गाँव में डॉक्टर साहब भी होंगे ह्य बुआ ने कहा—ह्यबस उनके लिए कोई अच्छी दुकान देखनी होगी ह्य रामनाथ के मुँह से अचानक निकल गया—ह्यदीदी, आपकी ही तो कई दुकानें हैं यहाँ। आप दूसरी दुकान क्यों खोज रही हैं ? ह्य बुआ एक पल चुप रहीं। फिर बोलीं—ह्यभैया, फिर भी आप कोई दूसरी जगह नजर में रखिए। अगर वहाँ बात नहीं बनी तो विकल्प खुला रहेगा ह्य रामनाथ मुस्कुरा दिए। लेकिन बुआ को पता नहीं था कि उनकी यही बातें गाँव में एक नई हलचल पैदा करने वाली थीं। कुछ अति उत्साही लोगों ने कहना शुरू कर दिया—ह्यबुआ और अमर गाँव में फिर से बसने की तैयारी कर रहे हैं ह्य ह्यजिन लोगों ने उनके घर और दुकानों पर कब्जा किया है, अब उनकी खैर नहीं ह्य यह बात धीरे-धीरे पूरे गाँव में फैल गई। जिन लोगों ने वर्षों से बुआ के घर और खेतों पर कब्जा कर रखा था, उन्हें भी खबर मिल गई कि शहर से आईं बुआ गाँव के बच्चों की पढ़ाई और स्वास्थ्य की व्यवस्था करने लगी हैं। गाँव का वातावरण बदलने लगा। शाम होते-होते बुआ ने नदी देखने की इच्छा जताई।

गाँव की सीमा से लगी नदी दो जिलों की विभाजन रेखा थी। बचपन में गर्मियों के दिनों में जब नदी में पानी कम होता था, तब बुआ अपने साथियों के साथ नदी पार करके दूसरे जिले में पहुँच जाती थीं। बच्चों के लिए वह किसी रोमांच से कम नहीं था। वे कहते—ह्यहम दूसरे जिले में आ गए ह्य और फिर घंटों खेलते रहते। आज उसी नदी पर दो किलोमीटर लंबा पुल बन चुका था। गाड़ी पुल पर चलती हुई दूसरे जिले में पहुँची तो बुआ के चेहरे पर वही बचपन वाली खुशी लौट आई। उन्हें वे गर्मियों की छुट्टियाँ याद आ गईं, जब रिश्तेदार और उनके बच्चे गाँव आया करते थे। शाम होते ही सभी नदी में नहाने जाते। तैरते-तैरते नदी के उस पार पहुँच जाते और घंटों खेलते। ऊपर नीला आकाश, नीचे चारों ओर फैली हरियाली, बीच में कल-कल बहती नदी और उसके किनारों पर बिखरे बालू के कण। बालू में चमकते अभ्रक और चाँदी जैसे कण, सीपियाँ और शंख—बचपन के लिए वह किसी खजाने से कम नहीं था। बुआ की आँखें उस प्राकृतिक सौंदर्य को जैसे फिर से बटोर रही थीं। वे बहुत देर तक अपलक नदी को निहारती रहीं। उनके चेहरे पर वही बचपन का भोलापन और खुशी झलक रही थी। सूरज डूबने लगा था। आकाश और धरती दोनों पर लालिमा फैल गई थी। बुआ ने गहरी साँस ली। ह्यअमर, चलो अब वापस चलते हैं ह्य दोनों गाड़ी में बैठ गए। कुछ दूर आगे बढ़े ही थे कि रास्ता सुनसान हो गया। अचानक कुछ नकाबपोश लोगों ने उनकी गाड़ी को चारों ओर से घेर लिया। उनके हाथों में बंदूकें थीं। अमर कुछ समझ पाता, उससे पहले गोलियों की आवाज गूँज उठी। गाड़ी का शीशा टूट गया। बुआ और अमर घायल होकर सीट पर गिर पड़े। नकाबपोश कुछ क्षण वहाँ रुके और फिर अँधेरे में गायब हो गए। कुछ देर बाद उधर से गुजर रहे ग्रामीणों ने गाड़ी देखी। उन्होंने तुरंत दोनों को वहार निकाला और अस्पताल पहुँचाया। सौभाग्य से दोनों की जान बच गई। गोली बुआ के कंधे को छूकर निकल गई थी और अमर की बाँह में गहरी चोट लगी थी। कई दिनों के उपचार के बाद दोनों स्वस्थ हुए। लेकिन इस घटना ने पूरे गाँव को हिला दिया। अब तक लोग दबंगों के भय से चुप रहते थे। पहली बार उन्हें महसूस हुआ कि यदि आज भी वे चुप रहे तो कल किसी और का घर, खेत या जीवन सुरक्षित नहीं रहेगा। गाँव के लोगों ने एकजुट होकर प्रशासन से शिकायत की। जाँच शुरू हुई। धीरे-धीरे उन लोगों पर कार्रवाई हुई, जिन्होंने वर्षों से गाँव में भय का वातावरण बना रखा था। कुछ अवैध कब्जे हटाए गए। गाँव वालों के भीतर भी एक नया साहस पैदा हुआ। स्वस्थ होने के बाद बुआ फिर गाँव आईं। अमर ने पूछा—ह्यबुआ, अब डर नहीं लगता ? ह्य बुआ कुछ देर चुप रहीं। फिर नदी की ओर देखते हुए बोलीं—ह्यडर तो लगता है अमर। लेकिन डरकर अपने गाँव को छोड़ देना क्या सही होगा ? ह्य अमर उनकी ओर देखता रहा। बुआ बोलीं—ह्यमैं यहाँ अपना पुराना घर वापस लेने भर नहीं आई हूँ। मैं अपना गाँव वापस पाने आई हूँ ह्य अमर की आँखें भर आईं। अगले महीने मंदिर के एक कमरे में कंप्यूटर की कक्षा शुरू हो गई। गाँव के बच्चों ने पहली बार कंप्यूटर को इतने करीब से देखा। कुछ ही दिनों में बच्चों की संख्या इतनी बढ़ गई कि मंदिर का कमरा छोटा पड़ने लगा। डॉ. राकेश गुप्ता ने भी गाँव में अपनी छोटी-सी डिस्पेंसरी शुरू कर दी। अब छोटी-छोटी बीमारियों के लिए ग्रामीणों को शहर नहीं जाना पड़ता था।

(डॉक्टर शिरोमणि माथुर
वरिष्ठ साहित्यकार, छत्तीसगढ़ रत्न)

कविता का कोना

मेरा ननिहाल

नाना-नानी, मामा-मौसी,
मेरा ये ननिहाल था,
प्यार भरे वो दिन थे,
जब हर पल उनका साथ था।

नाना-नानी हथेलियों पर
मुझको रखते थे संभाल,
मामा-मौसी हाथ पकड़कर
चलते थे हर पल मेरे साथ।

वो आँगन, वो गलियाँ,
वो हँसी और वो मुस्कान,
मंजर अब भी वहीं पुराना
नजर आता है हर बार।

गुजर गया वो वक्त सुनहरा,
पर निशान अभी बाकी हैं,
यादों के उन पन्नों पर
आज भी तस्वीरें बाकी हैं।

भूल नहीं पाऊँगी कभी
वो बचपन के प्यारे दिन,
वो अपनापन, वो रिश्ते,
वो हँसते-खेलते पल छिन।

अब लौटकर नहीं आएगा
मुझको वो गुजरा जमाना,
पर दिल में हमेशा बसा रहेगा
मेरा वो प्यारा ननिहाना।

नाना-नानी, मामा-मौसी—
यही तो मेरी पहचान था,
प्यार से भरा हुआ
मेरा प्यारा ननिहाल था।

कवियत्री-ममता दुबे भिलाई

बीएसपी क्रिकेट टीम के चयन

भिलाई। छत्तीसगढ़ राज्य क्रिकेट संघ द्वारा सत्र 2026-27 में आयोजित की जाने वाली अंडर-14 एवं अंडर-19 बालक क्रिकेट प्रतियोगिताओं में भिलाई इस्पात संयंत्र की टीम भी भाग लेगी। इसके लिए बीएसपी टीम के चयन हेतु चयन स्पर्धा आयोजित की जा रही है। क्रीड़ा, सांस्कृतिक एवं नागरिक सुविधाएं विभाग, भिलाई इस्पात संयंत्र के अनुसार अंडर-14 बालक वर्ग की चयन स्पर्धा 6 सितंबर को सुबह 8 बजे तथा अंडर-19 बालक वर्ग की चयन स्पर्धा 8 सितंबर को सुबह 11 बजे बीएसपी क्रिकेट ग्राउंड, सिविक सेंटर, भिलाई में होगी।

अंदर की बात

दीपक बैज कंटिन्यू ?, रिलबाज मंत्री-विधायक की क्लास...

-:: खुलकर :: -
यशवंत साहू, फाउंडर
भिलाई टाइम्स

देवेंद्र और भूपेश में 36 का आंकड़ा...

छत्तीसगढ़ के पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल और भिलाई नगर विधायक देवेंद्र यादव के बीच में तकरार बढ़ती जा रही है। यूथ कांग्रेस इलेक्शन और बाईपास करते हुए दिल्ली पहुंच जाने से यह तकरार देवेंद्र और भूपेश के बीच में बनी है और इसका नुकसान उठा रहे हैं उनके समर्थक... अब ताजा मामला देख लीजिए शनिवार की बात है। कांग्रेस का प्रशिक्षण कार्यक्रम चल रहा है और वहां पहुंच गए भूपेश बघेल। साथ ही देवेंद्र यादव और भी कई गणमान्य नेता जिनकी मौजूदगी के सामने इन दोनों नेताओं की तकरार खुलकर देखने को मिल रही थी। यूथ कांग्रेस इलेक्शन में दोनों खेमा एक दूसरे को नीचे दिखाने के लिए पुरजोर कोशिश में लगे हुए हैं और कार्यकर्ताओं को कहना है किस युकां चुनाव की वजह से काफी नुकसान उन्हें उठाना पड़ रहा है। क्यों ना इस चुनाव को ही बंद कर दिया जाए। क्योंकि नेताओं के बीच में तकरार और तनाव से सिर्फ नुकसान होगा आने वाले नगर निगम चुनाव और विधानसभा में। अगर मिल बैठकर चीजों को ठीक नहीं किया गया तो कांग्रेस में संगठन अच्छा और जोगी खेमे के बाद एक नए गुट का उदय हो जाएगा जो आने वाले समय में आक्रामकता के साथ देखने को मिलेगी। वह है भूपेश और देवेंद्र गुट।

ब्यूरोक्रेट्स का रुख और रुझान..

कहते हैं ग्राउंड्स की एक-एक रिपोर्ट्स ब्यूरोक्रेट्स को मिल जाती है और इसीलिए अपना रुख और रुझान दिखा देते हैं की आने वाले समय में क्या हो सकता है... ?

ब्यूरोक्रेट ने भांप लिया है कि आने वाले समय में किसका जलवा रहने वाला है ? छत्तीसगढ़ में भाजपा की सरकार है और ब्यूरोक्रेट्स की गलियों से खबर आ रही है कि अब आईएएस आईपीएस अपने संबंध नेता जी से बेहतर करने में लग गए हैं। वह नेता है छत्तीसगढ़ के पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल...सोनिया गांधी और प्रियंका गांधी के प्रिय छत्तीसगढ़ में भूपेश ही हैं... भले ही उन्हें पंजाब से हटाकर असम भेज दिया गया हो ...लेकिन छत्तीसगढ़ में जलवा कांग्रेस में भूपेश का ही है...उनके अलावा कोई दूसरा इतना जनप्रिय नहीं है...अंदर खाने की खबर है ब्यूरोक्रेट्स को यह मालूम चल गया है 2028 विधानसभा चुनाव में जलवा जलवा फिर से काका का होने वाला है... इसीलिए अधिकारी संबंध बेहतर करने में लगे हुए हैं और खराब संबंध वाले भी समय मांग रहे हैं,.. फिलहाल भूपेश बघेल के समर्थक साइलेंट है। उन्होंने अपने पत्ते नहीं खोले हैं। यूथ कांग्रेस इलेक्शन में यह जरूर लग रहा होगा कि भूपेश बघेल का खेमा इतना शांत क्यों है ?, कमजोर क्यों है ? लेकिन यूथ कांग्रेस हाथ से जाएगा तो कोई ज्यादा नुकसान नहीं होगा... यह बात भूपेश बघेल को मालूम है और इसीलिए वह सीनियर कांग्रेस में कंट्रोलिंग पॉवर बनाए रखना चाहते हैं...

BSP लोहा चोरी; कड़िया जुड़ रही है, बेचैनी बढ़ रही है...

बीएसपी लोहा चोरी मामले में पुलिस ने जिसे मास्टरमाइंड बताया उसे कोर्ट से जमानत मिल गई है...साथ ही उसके कई गुर्गों को भी जमानत का फायदा मिल गया है। लेकिन लोहा चोरी मामले में भाजपा नेता बाचू भले ही जेल के बाहर है, लेकिन उसके कर्मों का हिसाब पुलिस के पास है। जिसकी वजह से उसकी मुश्किलें बढ़ने वाली है। उससे जुड़े नेताओं की मुश्किलें भी बढ़ाने वाली है...ये इशारा है कि उनकी बेचैनी अचानक क्यों बढ़ी है... ? क्योंकि जो खुलासा पुलिस के सामने नेताजी ने किया है वह चौंकाने वाला है... कड़िया जुड़ती हुई भी दिख रही है...पुलिस यह पता लगाने की कोशिश में है कि आखिर इतना बड़ा सिंडिकेट कैसे ऑपरेट हो रहा था ? किसके इशारे पर ये सब हो रहा था ? ये तो पता चल गया है ... दुर्ग के पुलिस कप्तान बेहद सख्त है और जो टास्क उन्होंने लिया है, उसे पूरा करके ही रहते हैं... । इंतजार करिए, कुछ बड़ा होने वाला है... ।

दीपक बैज कंटिन्यू... ?

कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष दीपक बैज का कार्यकाल समाप्ति की ओर है...ऐसे में सवाल बहुत सारे हैं और सियासी गुणा-भाग भी तेज हो गया है कि पीसीसी चीफ की कुर्सी में कौन बैठने वाला है... ? इसको लेकर कांग्रेस में घमासान है... कांग्रेस में दावेदार कौन-कौन है ? जो इस कुर्सी पर बैठने के लिए आतुर नजर आ रहे हैं... सवाल तो यह भी है कि दीपक बैज का कार्यकाल क्या इतना खराब था कि उन्हें दोबारा मौका नहीं दिया जा सकता ? सवाल तो यह भी है क्या भूपेश बघेल की मंजूरी के बगैर किसी को पीसीसी चीफ बना दिया जाएगा या भूपेश बघेल से ही पूछकर प्रदेश कांग्रेस कमेटी का अध्यक्ष बनाया जाएगा... ? कहा जा रहा है कि दाऊ जी चाह रहे हैं कि दीपक को प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष पद कंटिन्यू रहें... बैज को मुख्यमंत्री रहते हुए प्रदेश कांग्रेस कमेटी का अध्यक्ष भूपेश ने ही बनाया था... अब इन दोनों के बीच में फिर से सब कुछ ठीक हो चुका है।

मंत्री, विधायक रील में इंगेज, ग्राउंड में हाल बुरा...

- सड़कों का हाल बुरा है...स्कूल के बच्चे सड़क पर है, लोगों में आक्रोश है, संतुष्ट कौन हैं ? ये सबसे बड़ा सवाल है। ऐसा नहीं कि इसकी खबर ऊपर तक नहीं गयी हो... ? पहुंच रही है रोज रिपोर्ट...विधायक से लेकर मंत्रियों की हालत खराब है...कुछ मंत्री तो दिनभर वादियों को दिखा रहे हैं, भले ही उनके विभाग का स्वास्थ्य खराब हो... तो कुछ विधायक दिनभर फेसबुक पर ब्रेकिंग न्यूज दे रहे हैं, संगठन के लिए सिर दर्द बनने वाले हैं माननीय...पार्टी संगठन और सत्ता सरकार से हटकर पोस्ट डाले जा रहे हैं...हर चीज पर नजर है ?। ये भाजपा है, यहां जब अनुशासन का डंडा चलता है तो कोई काम नहीं आता। सारे एप्रोच कमजोर पड़ जाते हैं...

तत्काल टिकट का माफिया फ्छऋ के हत्थे चढ़ा, रायपुर से चल रहा था अंतरराज्यीय नेटवर्क

नई दृष्टिबिंदु / रायपुर

राजधानी रायपुर में तत्काल टिकटों की कालाबाजारी करने वाले अंतरराज्यीय गिरोह का पर्दाफाश हुआ है। रेलवे सुरक्षा बल (RPF) ने एक बड़े टिकट दलाल को हिरासत में लिया है, जो रायपुर और आसपास के आरक्षण केंद्रों से देशभर के यात्रियों को महंगे दामों पर टिकट बेच रहा था।

सूत्रों के अनुसार आरोपी आरक्षण केंद्रों में पदस्थ कर्मचारियों से सांठगांठ कर तत्काल टिकट बुक करता था और फिर उन्हें दूसरे राज्यों में ऊंचे दाम पर खपाता था। RPF आरोपी से कड़ी पूछताछ कर रही है और इस सिंडिकेट में शामिल रेलवे कर्मचारियों की भूमिका भी जांच के दायरे में है।

जांच संवेदनशील होने के कारण फ्छऋ ने अभी आधिकारिक बयान जारी नहीं किया है, लेकिन जल्द ही पूरे स्कैम का खुलासा किए जाने की उम्मीद है। रायपुर आरक्षण केंद्र पहले भी तत्काल टिकट के गोरखधंधे को लेकर चर्चा में रहा है। इससे पहले कई कर्मचारियों को दलालों को संरक्षण देने के आरोप में पकड़ा जा चुका है। लंबे समय से बड़ी कार्रवाई न होने से दलाल बेखौफ हो गए थे।

बीजाभांठा में अवैध मुरूम खनन पर कार्रवाई चैन माउंटेन मशीन और लोडर जब्त

नई दृष्टिबिंदु /राजनांदगांव

कलेक्टर जितेंद्र यादव के निर्देश पर अवैध खनन पर कार्रवाई जारी है। डोंगरगांव ब्लॉक के ग्राम बीजाभांठा में अवैध मुरूम उत्खनन की शिकायत पर खनिज और राजस्व विभाग की टीम ने छापा मारा। ग्रामीणों ने बताया कि कुछ ग्रामीणों की सहमति से अमलीडीह टोलागांव निवासी संजय कठोलिया को खनन दिया गया था। उत्खनन के दौरान भांठा तालाब की 15.20 फीट की मेड़ तोड़ दी गई और बिना वैध अनुमति के मुरूम का परिवहन किया जा रहा था। मौके से चैन माउंटेन मशीन क्रमांक 20-68034, मॉडल ए 200-5G और चैन माउंटेन लोडर CG 04 JD 1520 जब्त कर ग्राम पंचायत सरपंच को सुपुर्द किया गया। कार्रवाई में नायब तहसीलदार डोंगरगांव, पटवारी और खनिज विभाग की टीम मौजूद रही।

खास खबर

चमार खपरी में राजा गुरु बालकदास की मूर्ति स्थापना के लिए मंच निर्माण का भूमिपूजन,

नई दृष्टिबिंदु / डोंगरगढ़

विधानसभा क्षेत्र के ग्राम पंचायत जुरलाखुर्द के आश्रित ग्राम चमार खपरी में महान प्रतापी, शूरवीर एवं बलिदानी राजा गुरु बालकदास जी की मूर्ति स्थापना हेतु मंच निर्माण के भूमिपूजन कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में डोंगरगढ़ विधायक श्रीमती हर्षिता स्वामी बघेल मुख्य अतिथि के रूप में सम्मिलित हुई। विधायक ने विधिवत पूजा-अर्चना कर मंच निर्माण कार्य का भूमिपूजन किया और राजा गुरु बालकदास जी के जीवन, संघर्ष, त्याग और समाज के प्रति योगदान को स्मरण करते हुए श्रद्धासुमन अर्पित किए। इस अवसर पर विधायक ने कहा कि राजा गुरु बालकदास जी का जीवन साहस, सामाजिक जागरूकता और जनसेवा की प्रेरणा देता है। उनकी वीरता और सामाजिक योगदान को आने वाली पीढ़ियों तक पहुंचाना हम सबकी जिम्मेदारी है। मूर्ति स्थापना से क्षेत्रवासियों को उनके आदर्शों से प्रेरणा मिलेगी और सामाजिक चेतना मजबूत होगी। कार्यक्रम में ब्लॉक कांग्रेस कमेटी घुमका प्रभारी अध्यक्ष पुसऊ राम वर्मा, जुरलाखुर्द सरपंच लता बाई साहू, सरपंच पति कृपा राम साहू, कोमल दास खुटांजे, आनंद मंडले, पंचगण, सामाजिकजन, कांग्रेस कार्यकर्ता और बड़ी संख्या में ग्रामीणजन उपस्थित रहे।

बिलासपुर में अवैध बांग्लादेशी घुसपैठियों पर बड़ा एक्शन, 23 संदिग्ध डिटेंशन सेंटर भेजे गए

जांच में कई लोगों के दस्तावेज फर्जी और निवास संदिग्ध मिले

नई दृष्टिबिंदु / बिलासपुर

अवैध बांग्लादेशी घुसपैठियों के खिलाफ बिलासपुर पुलिस ने अब तक की सबसे बड़ी कार्रवाई की है। एसएसपी रजनेश सिंह के निर्देश पर गठित STF ने सिरगिट्टी क्षेत्र में रह रहे 23 संदिग्धों को पकड़कर रायपुर स्थित होल्डिंग/डिटेंशन सेंटर भेज दिया है।

शासन के निर्देश के बाद ADSP रश्मिता कौर चावला के नेतृत्व में 7 निरीक्षकों की STF बनाई गई। टीम ने न सिर्फ जिले में सघन चेकिंग की, बल्कि पश्चिम बंगाल के मुशिर्दाबाद और जंगीपुर जाकर वहां की पुलिस से दस्तावेजों का सत्यापन कराया। जांच में कई लोगों के दस्तावेज फर्जी और निवास संदिग्ध मिले।

पहले भी हुई थी कार्रवाई

पुलिस ने पहले भी दो बांग्लादेशियों पर कार्रवाई की थी। 12 जुलाई 2025 को तोरवा में पकड़े गए मोहम्मद हुसैन उर्फ सुब्रती शर्मा को Quit India नोटिस देकर निर्वासित किया गया था। वहीं 17 मार्च 2025 को बांग्लादेशी नाबालिग के अपहरण में आरोपी हृदय कुमार शर्मा को जेल भेजकर अब डिपोर्टेशन के लिए डिटेंशन सेंटर में रखा गया है।

टोल-फ्री नंबर जारी

पुलिस ने लोगों से अपील की है कि संदिग्धों की सूचना टोल-फ्री नंबर 1800-233-1905 पर दें। अभियान आगे भी जारी रहेगा।

बलौदाबाजार एसपी गौरव राय देश के टॉप-10 पुलिस कप्तानों में, सीएम ने दी बधाई

नई दृष्टिबिंदु / बलौदाबाजार

जिले के पुलिस अधीक्षक गौरव राय ने राष्ट्रीय स्तर पर बड़ी उपलब्धि हासिल की है। श्री क्लिफ्रिअरं ढङ्क२३ के 'सर्वश्रेष्ठ पुलिस कप्तान 2026' सर्वे में उन्हें देश के टॉप-10 पुलिस कप्तानों में शामिल किया गया है। 875 अंक हासिल कर वे इस प्रतिष्ठित सूची में जगह बनाने वाले छत्तीसगढ़ के इकलौते IPS अधिकारी बने हैं।

मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने ट्वीट कर गौरव राय को बधाई दी है। मुख्यमंत्री ने कहा कि 2019 बैच के क्ढर गौरव राय ने दंतेवाड़ा जैसे अत्यंत चुनौतीपूर्ण नक्सल प्रभावित क्षेत्र में रणनीतिक पुलिसिंग, नक्सल विरोधी अभियानों और कानून-व्यवस्था को मजबूत करने के साथ विकास कार्यों के लिए सुरक्षित वातावरण तैयार करने में उल्लेखनीय भूमिका निभाई। उनकी यह उपलब्धि कर्तव्यनिष्ठा, कुशल नेतृत्व और समर्पित पुलिस सेवा का सम्मान है।

दंतेवाड़ा में बनाया अलग मुकाम

गौरव राय के करियर में दंतेवाड़ा की पोस्टिंग टर्निंग पॉइंट मानी जाती है। 2023 में जब उन्हें वहां एसपी की जिम्मेदारी मिली, तब क्षेत्र नक्सल गतिविधियों के लिहाज से बेहद संवेदनशील था। उन्होंने सुरक्षा व्यवस्था को मजबूत करने के साथ आम लोगों में पुलिस के प्रति विश्वास बहाल करने पर फोकस किया। पुलिस-प्रशासन के बीच बेहतर समन्वय और जनता तक सुरक्षा का भरोसा पहुंचाने के उनके प्रयासों को काफी सराहा गया।

नगर निगम के कोउ कैचर दल के शासकीय कार्य में बाधा पहुंचाने पर महिला के खिलाफ FIR दर्ज

नई दृष्टिबिंदु / भिलाई।

नगर पालिक निगम भिलाई द्वारा शहर में आवारा मवेशियों को पकड़ने एवं यातायात तथा सार्वजनिक व्यवस्था को सुचारू बनाए रखने के लिए संचालित काउ कैचर अभियान के दौरान शासकीय कार्य में बाधा पहुंचाने के मामले में खुर्सीपार थाना में महिला के विरुद्ध प्रकरण दर्ज किया गया है।

प्राप्त शिकायत के अनुसार दिनांक 05 सितंबर 2026 को नगर निगम के का कैचर दल द्वारा खुर्सीपार क्षेत्र के वार्ड क्रमांक 46 में रामचंद्र होटल के सामने सार्वजनिक सड़क पर चार लावारिस गाय-बछड़ों को पकड़ने की कार्रवाई की जा रही थी। इसी दौरान वहां मौजूद एक महिला द्वारा निगम की कार्रवाई का विरोध करते हुए कर्मचारियों से विवाद किया गया तथा पकड़े गए मवेशियों को वाहन से उतारने का दबाव बनाया गया। शिकायत में शासकीय कार्य में व्यवधान उत्पन्न करने तथा निगम कर्मचारियों के साथ अभद्र व्यवहार एवं धमकी देने का भी उल्लेख किया गया है। घटना की जानकारी निगम के नोडल अधिकारी द्वारा उच्च अधिकारियों को दी गई। इसके पश्चात संबंधित शिकायत थाना खुर्सीपार में प्रस्तुत की गई। पुलिस द्वारा शिकायत की जांच के बाद प्रथम दृष्टया अपराध घटित होना पाए जाने पर भारतीय न्याय संहिता की संबंधित धाराओं के तहत प्रकरण दर्ज कर विवेचना प्रारंभ कर दी गई है। नगर पालिक निगम भिलाई ने स्पष्ट किया है कि शहर में आवारा मवेशियों को पकड़ने की कार्रवाई जनहित एवं सार्वजनिक सुरक्षा के उद्देश्य से की जा रही है। निगम के शासकीय कार्य में किसी भी प्रकार का व्यवधान उत्पन्न करने, कर्मचारियों के साथ दुर्व्यवहार करने अथवा कार्रवाई में बाधा पहुंचाने वालों के विरुद्ध नियमानुसार कार्रवाई की जाएगी।

करेले की खेती से चमकी किसान की किस्मत, प्रति एकड़ 1.07 लाख शुद्ध लाभ

नई दृष्टिबिंदु / रायपुर

पारंपरिक धान की खेती छोड़कर उद्यानिकी अपनाने से बागबाहरा विकासखंड के ग्राम टेंगराही के किसान नारायण प्रसाद वर्मा की तकदीर बदल गई। 1.06 हेक्टेयर के मालिक वर्मा पहले धान से सीमित आय पाते थे। राष्ट्रीय बागवानी मिशन 2025-26 के तहत सब्जी क्षेत्र विस्तार योजना में उन्हें 1 हेक्टेयर में करेला लगाने पर 24 हजार और 0.50 हेक्टेयर में सपोर्ट सिस्टम के लिए 5 हजार रुपये अनुदान मिला। उन्होंने ड्रिप सिंचाई, प्लास्टिक मल्चिंग और मचान विधि अपनाई, जिससे पानी की बचत और उपज बढ़ी। इस बार उन्हें प्रति एकड़ 12 टन उत्पादन मिला और सभी खर्च निकालकर 1 लाख 7 हजार रुपये का शुद्ध लाभ हुआ। वर्मा की सफलता क्षेत्र के अन्य किसानों के लिए प्रेरणा बनी है।

शिक्षक दिवस पर 'साइबर शिक्षक' बने गुरुजी, खैरागढ़ पुलिस का जागरूकता अभियान

नई दृष्टिबिंदु / खैरागढ़

शिक्षक दिवस पर खैरागढ़-छुईखदान-गंडई पुलिस ने साइबर जागृति अभियान के चौथे सप्ताह में विशेष जागरूकता अभियान चलाया। पुलिस अधिकारियों ने स्कूलों में पहुंचकर शिक्षकों और छात्रों को साइबर ठगी, डिजिटल अरेस्ट, फर्जी अधिकारी बनकर कॉल, डळढ और बैंकिंग फ्रॉड से बचाव की जानकारी दी।

पुलिस ने "मैं हूँ साइबर शिक्षक" पहल शुरू की, जिसमें शिक्षकों को साइबर शिक्षक बनकर जागरूकता फैलाने के लिए प्रेरित किया गया। शिक्षकों ने सेल्फी लेकर सोशल मीडिया पर अपलोड कर संदेश जन-जन तक पहुंचाया।

शिक्षकों का सम्मानः

- अतिरिक्त एसपी रूपेश कुमार डांडे ने विक्टोरिया हाई स्कूल के प्राचार्य अनुराग सिंह का सम्मान किया।
- एसडीओपी खैरागढ़ आशा रानी ने आत्मानंद उत्कृष्ट स्कूल बालक के शिक्षक संजय श्रीवास्तव को सम्मानित किया। - एसडीओपी गंडई मानक राम कश्यप ने क्षेत्र के प्रसिद्ध शिक्षकों से भेंट कर सम्मान किया।

पुलिस ने अपील की - साइबर ठगी होने पर तत्काल *1930* पर शिकायत करें।

जागरूता | किसी भी संदिग्ध गतिविधि या ऑनलाइन ठगी की स्थिति में तत्काल 1930 पर शिकायत दर्ज कराएं

सूर्या मॉल में DPS दुर्ग के विद्यार्थियों ने नुक्कड़ नाटक से दिया साइबर ठगी से बचाव का संदेश

नई दृष्टिबिंदु / भिलाई

साइबर अपराधों के प्रति आम लोगों को जागरूक करने के उद्देश्य से शनिवार को सूर्या मॉल में दुर्ग पुलिस एवं उद्धर दुर्ग के संयुक्त तत्वावधान में साइबर जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया। छत्तीसगढ़ पुलिस द्वारा 15 अगस्त से 2 अक्टूबर तक चलाए जा रहे साइबर जागृति अभियान के तहत आयोजित कार्यक्रम में कक्षा 9वीं से 12वीं तक के विद्यार्थियों ने नुक्कड़ नाटक के माध्यम से साइबर ठगी के विभिन्न तरीकों का प्रभावी चित्रण किया।

विद्यार्थियों ने लॉटरी फ्रॉड, डिजिटल अरेस्ट और ऑनलाइन ठगी जैसे मामलों को नाटक के माध्यम से प्रस्तुत करते हुए नागरिकों को सतर्क रहने का संदेश दिया। उन्होंने बताया कि साइबर ठगी का शिकार होने पर बिना समय गंवाए साइबर हेल्पलाइन नंबर 1930 पर सूचना देना चाहिए। साथ ही किसी अनजान व्यक्ति के साथ डळढ, ढक्छ, पासवर्ड अथवा बैंक संबंधी गोपनीय जानकारी साझा नहीं करने की अपील की गई।

कार्यक्रम में नागरिकों को संदिग्ध अढङ फाइल डाउनलोड नहीं करने, अनजान लिंक पर क्लिक करने से बचने तथा लॉटरी, इनाम, नौकरी और निवेश के नाम पर आने वाले संदिग्ध कॉल एवं संदेशों से सावधान रहने की जानकारी दी गई। डिजिटल अरेस्ट के नाम पर डराकर पैसे मांगने वालों से घबराने के बजाय तत्काल पुलिस को सूचना देने की अपील की गई।

सूर्या मॉल में मौजूद सैकड़ों नागरिकों ने विद्यार्थियों की प्रस्तुति देखी और साइबर जागरूकता संबंधी संदेशों की सराहना की। कार्यक्रम के अंत में विद्यार्थियों और नागरिकों ने साइबर अपराधों से बचाव के लिए जागरूक रहने, डळढ साझा नहीं करने तथा साइबर ठगी की स्थिति में तत्काल 1930 पर सूचना देने की शपथ ली। कार्यक्रम में स्मृति नगर चौकी प्रभारी एवं पुलिस टीम के साथ अन्य अधिकारी मौजूद रहे। उद्धर दुर्ग की ऊश्रीइङ्क१ & ढ१छूस्त्रं' पुनिता नेहरू के मार्गदर्शन में शिक्षिकाओं एवं सहयोगी स्टाफ ने कार्यक्रम में सहयोग किया। नुक्कड़ नाटक में आरुष पटेल, झनक चावड़ा, जूही पात्रा, इशिता मित्तल, आद्या तिवारी, सुयश नेने, मान्या जैन, अरल पुरोहित, चिराग गोयल, विवान पटेल और आवी अग्रवाल ने सहभागिता की। दुर्ग पुलिस ने नागरिकों से अपील की कि साइबर अपराध से बचने का सबसे प्रभावी उपाय सतर्कता और जागरूकता है। किसी भी संदिग्ध गतिविधि या ऑनलाइन ठगी की स्थिति में तत्काल 1930 पर शिकायत दर्ज कराएं।

शिक्षक राष्ट्र निर्माण के मार्गदर्शक : महापात्र

बीएसपी में शिक्षक दिवस समारोह, 25 शिक्षक-कर्मचारी सम्मानित; राष्ट्रपति पुरस्कार प्राप्त पूर्व शिक्षकों का भी सम्मान

नई दृष्टिबिंदु / भिलाईनगर

भिलाई इस्पात संयंत्र के शिक्षा विभाग की ओर से शनिवार को एमपी हॉल, भिलाई निवास में शिक्षक दिवस समारोह का भव्य आयोजन किया गया। भारत के पूर्व राष्ट्रपति एवं महान शिक्षाविद डॉ. सर्वपल्ली राधाकृष्णन की जयंती पर आयोजित समारोह में बीएसपी के निदेशक प्रभारी चित्त रंजन महापात्र मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। समारोह में बीएसपी शालाओं के शिक्षकों, प्राचार्यो और गैर-शिक्षकीय कमर्चारियों के योगदान को सम्मानित किया गया।

समारोह का शुभारंभ दीप प्रज्वलन तथा देवी सरस्वती और डॉ. सर्वपल्ली राधाकृष्णन के चित्र पर पुष्प अर्पित कर किया गया। विद्याथियों ने सरस्वती वंदना, वंदे मातरम् और स्वागत गान प्रस्तुत किया। अतिथियों को पौधे भेंट कर पर्यावरण संरक्षण का संदेश भी दिया गया।

महाप्रबंधक (शिक्षा) शिखा दुबे ने स्वागत उद्बोधन में बीएसपी शालाओं की शैक्षणिक गतिविधियों और उपलब्धियों की जानकारी दी। उन्होंने कहा कि बदलते दौर में विद्यार्थियों पर मनोरंजन और सोशल मीडिया के बढ़ते प्रभाव के बीच शिक्षकों की जिम्मेदारी और बढ़ गई है। शिक्षकों को विद्यार्थियों में सीखने की रुचि बनाए रखने के साथ पाठ्यक्रम को रुचिकर बनाने, नवाचार को प्रोत्साहित करने तथा कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई) जैसे आधुनिक साधनों का जिम्मेदारीपूर्वक उपयोग करना सिखाना होगा। महाप्रबंधक (टीएसडी एवं सीएसआर) एबी श्रीनिवास ने गुरु-शिष्य परंपरा को भारतीय संस्कृति की महत्वपूर्ण पहचान बताते हुए कहा कि सोशल मीडिया के बढ़ते प्रभाव के दौर में बेहतर और खुशहाल राष्ट्र के निर्माण में शिक्षकों की भूमिका और अधिक महत्वपूर्ण हो गई है।

समारोह में विद्यार्थियों ने शिक्षकों के सम्मान में विभिन्न सांस्कृतिक प्रस्तुतियां दीं। सीनियर सेकेंडरी स्कूल सेक्टर-10 के विद्यार्थियों ने संगीतमय नृत्य नाटिका ह्यगुरुवंदनाह्ल प्रस्तुत की। इसी विद्यालय की कक्षा 11वीं की छात्रा दिशा शुक्ला और भिलाई विद्यालय सेक्टर-2 की छात्रा सुहानी पाढ़ी ने ह्यसशक्त शिक्षा की ओर : एआई एक सहायक उपकरण, शिक्षक एक मार्गदर्शकह्ल विषय पर अपने विचार रखे। आंग्ल माध्यम माध्यमिक शाला सेक्टर-9 के विद्यार्थियों ने आकर्षक नृत्य प्रस्तुत किया। सीनियर सेकेंडरी स्कूल सेक्टर-10 के विद्यार्थियों ने शास्त्रीय नृत्य तथा भिलाई विद्यालय सेक्टर-2 के विद्यार्थियों ने भिलाई एंथम प्रस्तुत कर दशर्कों की खूब तालियां बटोरीं।

कार्यक्रम के अंत में सीनियर सेकेंडरी स्कूल सेक्टर-10 की प्राचार्या सुमिता सरकार ने आभार व्यक्त किया। संचालन भिलाई विद्यालय सेक्टर-2 की व्याख्याता सजिथा राजेश एवं आंग्ल माध्यम माध्यमिक शाला सेक्टर-9 की वरिष्ठ शिक्षिका महुआ चटर्जी ने किया। राष्ट्रगान के साथ समारोह का समापन हुआ।

25 शिक्षक-कर्मचारी सम्मानित

समारोह का मुख्य आकर्षण शिक्षक दिवस सम्मान रहा। मुख्य अतिथि चित्त रंजन महापात्र ने बीएसपी शालाओं के 25 प्राचार्य, शिक्षक एवं गैर-शिक्षकीय कमर्चारियों को सम्मानित किया। सम्मानितों में एक प्राचार्य, एक प्रधान अध्यापिका, एक उप प्रबंधक, एक सहायक प्रबंधक, छह वरिष्ठ व्याख्याता, दो अतिरिक्त वरिष्ठ व्याख्याता, चार व्याख्याता, दो वरिष्ठ शिक्षक, चार शिक्षक और तीन गैर-शिक्षकीय कमर्चारी शामिल रहे। इसके अलावा बीएसपी शालाओं के चार पूर्व शिक्षकों, जिन्हें राष्ट्रपति पुरस्कार से सम्मानित किया जा चुका है, को भी विशेष रूप से सम्मानित किया गया। कायर्पालक निदेशक (मानव संसाधन) पवन कुमार ने अपने संबोधन में कहा कि उनके जीवन की उपलब्धियों में गुरुजनों का महत्वपूर्ण योगदान रहा है। उन्होंने भिलाई की समृद्ध शैक्षणिक विरासत की सराहना करते हुए कहा कि बीएसपी की शालाओं ने उत्कृष्ट शिक्षा और संस्कारों के माध्यम से अनेक प्रतिभाओं को आगे बढ़ाया है।

भिलाई के विद्यार्थी दुनिया में बना रहे पहचान

मुख्य अतिथि एवं निदेशक प्रभारी चित्त रंजन महापात्र ने भिलाई के शिक्षकों की लगन, कर्तव्यनिष्ठा और धैर्य की सराहना की। उन्होंने कहा कि बीएसपी ने इस्पात उत्पादन के साथ शिक्षा के क्षेत्र में भी अपनी विशिष्ट पहचान बनाई है। भिलाई के विद्यार्थी आज देश ही नहीं, बल्कि विश्व के विभिन्न हिस्सों में अपनी प्रतिभा का परचम लहरा रहे हैं। उन्होंने कहा कि देश के भावी नागरिकों के निर्माण में शिक्षकों की भूमिका सबसे महत्वपूर्ण है। शिक्षकों के समर्पित प्रयासों से ही बेहतर समाज और मजबूत राष्ट्र की नींव रखी जा सकती है। उन्होंने शिक्षकों से समाज के प्रति अपनी उत्कृष्ट सेवा निरंतर जारी रखने का आह्वान किया।

भारतीय जनता पार्टी ओबीसी मोर्चा के रायपुर सम्भाग स्तरीय प्रबुद्धजन सम्मान एवं कार्यकर्ता सम्मेलन 7 सितम्बर को

नई दृष्टिबिंदु / रायपुर

7 सितम्बर को भारतीय जनता पार्टी ओबीसी मोर्चा के तत्वावधान में रायपुर सम्भाग स्तरीय प्रबुद्धजन सम्मान एवं कार्यकर्ता सम्मेलन का आयोजन राजधानी स्थित पं. दीनदयाल उपाध्याय ऑडिटोरियम (साइंस कॉलेज परिसर) में किया जा रहा है। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय होंगे और अध्यक्षता केन्द्रीय राज्यमंत्री तोखन साहू करेंगे।

भाजपा प्रदेश संगठन महामंत्री पवन साय कार्यक्रम के मुख्य वक्ता होंगे। कार्यक्रम में रायपुर संभाग के विभिन्न जिलों से बड़ी संख्या में प्रबुद्धजन, सामाजिक प्रतिनिधि, जनप्रतिनिधि एवं भाजपा ओबीसी मोर्चा के कार्यकर्ता शामिल होंगे।

भारतीय जनता पार्टी ओबीसी मोर्चा के प्रदेश महामंत्री अशोक सिन्हा ने पत्रकारों से चर्चा करते हुए कहा कि कार्यक्रम के माध्यम से समाज के विभिन्न क्षेत्रों में उल्लेखनीय योगदान देने वाले प्रबुद्धजनों का सम्मान करने के साथ-साथ संगठन के कार्यकर्ताओं में नई ऊर्जा एवं उत्साह का संचार किया जाएगा। सम्मेलन का उद्देश्य सामाजिक सहभागिता को मजबूत करना, समाज के प्रबुद्ध वर्ग और संगठन के बीच संवाद को और अधिक प्रभावी बनाना तथा प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में चल रहे सबका साथ, सबका विकास, सबका विश्वास और सबका प्रयास के संकल्प को जन-जन तक पहुंचाना है। श्री सिन्हा ने बताया कि कार्यक्रम में उपमुख्यमंत्री अरुण साव, कैबिनेट मंत्री ओ.पी. चौधरी, श्यामबिहारी जायसवाल, लक्ष्मी राजवाड़े एवं टंकराम वर्मा सहित अनेक वरिष्ठ जनप्रतिनिधि भाजपा के प्रदेश एवं जिला पदाधिकारी तथा विभिन्न सामाजिक क्षेत्रों से जुड़े प्रबुद्धजन विशेष रूप से उपस्थित रहेंगे।

केंद्रीय राज्यमंत्री तोखन साहू करेंगे अध्यक्षता और प्रदेश संगठन महामंत्री पवन साय होंगे मुख्य वक्ता

सिन्हा ने कहा कि यह सम्मेलन केवल एक संगठनात्मक कार्यक्रम नहीं, बल्कि समाज के उन प्रबुद्धजनों के प्रति सम्मान और कृतज्ञता व्यक्त करने का अवसर है, जिन्होंने शिक्षा, चिकित्सा, प्रशासन, व्यवसाय, सामाजिक सेवा, कृषि, संस्कृति एवं अन्य क्षेत्रों में समाज और प्रदेश के निर्माण में महत्वपूर्ण योगदान दिया है। इसी तरह भाजपा कार्यकर्ता संगठन की सबसे बड़ी शक्ति हैं। इसलिए इस सम्मेलन में दोनों के बीच संवाद और सहभागिता को और मजबूत करने का प्रयास किया जा रहा है। सिन्हा ने कहा कि रायपुर सम्भाग के कार्यकर्ताओं में सम्मेलन को लेकर विशेष उत्साह है और कार्यक्रम को सफल बनाने के लिए मोर्चा के पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता व्यापक स्तर पर तैयारियों में जुटे हुए हैं। सम्मेलन में रायपुर संभाग के अंतर्गत आने वाले विभिन्न जिलों से भाजपा ओबीसी मोर्चा के पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता बड़ी संख्या में शामिल होंगे। श्री सिन्हा ने बताया कि कार्यक्रम की तैयारियों को लेकर मोर्चा के पदाधिकारियों द्वारा आमंत्रण, अतिथि समन्वय, बैठक व्यवस्था, मंच व्यवस्था, स्वागत, यातायात एवं कार्यकर्ताओं की सहभागिता सहित विभिन्न व्यवस्थाओं को अंतिम रूप दिया जा रहा है। पत्रकार वार्ता में पिछड़ा वर्ग मोर्चा के रायपुर संभाग प्रभारी चुन्नीलाल साहू, प्रदेश उपाध्यक्ष देवदत्त साहू, प्रदेश, रायपुर जिला अध्यक्ष अखिलेश कश्यप, ओबीसी मोर्चा के प्रदेश मीडिया सह प्रभारी श्रवण यदु मौजूद रहे।

जॉब सर्चिंग छोड़ जॉब प्रोवाइडर बनने के टिप्स, कल्याण कालेज की अनूठी पहल

नई दृष्टिबिंदु / भिलाईनगर

एजुकेशन हब भिलाई में कल्याण कॉलेज के स्टूडेंट्स ने ठाना - जॉब नहीं करेंगे, बल्कि कइयों को जॉब देने वाले बनेंगे। सेक्टर-7 स्थित कल्याण कॉलेज के पत्रकारिता एवं जनसंचार विभाग ने अनूठी पहल करते हुए अतिथि व्याख्यान आयोजित किया। सूचनाजी डॉट कॉम के प्रोपराइटर और वरिष्ठ पत्रकार अजमत अली ने "न्यूज वेबसाइट से आमदनी कैसे बढ़ाएं" विषय पर दो घंटे तक विस्तृत जानकारी दी। उन्होंने वेबसाइट डिजाइन से लेकर लीगल अर्निंग के कई स्रोतों, न्यूज सोर्स, न्यूज सेंस और न्यूज एंगल के बारे में उदाहरणों के साथ समझाया। प्राचार्य डॉ. विनय शर्मा ने स्वागत करते हुए ऐसे व्याख्यानों को बेहद लाभप्रद बताया। विभागाध्यक्ष डॉ. सुधीर शर्मा ने पुनः मार्गदर्शन का आग्रह किया। इस दौरान सहायक प्राध्यापक अंशुल तिवारी, साक्षी पांडेय सहित विद्यार्थी उपस्थित रहे।

करोड़ों खर्च फिर भी सड़कें बदहाल कांग्रेस नेता अशोक फड़नवीस ने उठाए सवाल

सड़कें गड्ढों में तब्दील हैं, डामर उखड़ रहा है और बारिश के बाद धूल से लोग परेशान हैं।

नई दृष्टिबिंदु / राजनांदगांव

शहर की सड़कों की जर्जर हालत को लेकर कांग्रेस के वरिष्ठ नेता एवं पूर्व पार्षद अशोक फड़नवीस ने निगम प्रशासन पर गंभीर आरोप लगाए हैं। उन्होंने कहा कि पिछले डेढ़ साल में डामरीकरण और मरम्मत पर करोड़ों खर्च हुए, फिर भी सड़कें गड्ढों में तब्दील हैं, डामर उखड़ रहा है और बारिश के बाद धूल से लोग परेशान हैं। फड़नवीस ने वीआईपी सर्किट हाउस रोड का उदाहरण देते हुए कहा कि दो साल में दो बार डामरीकरण के बाद भी सड़क बदहाल है। उन्होंने सवाल उठाया कि घटिया निर्माण पर ठेकेदारों पर कार्रवाई के बजाय दोबारा काम क्यों कराया जा रहा है? वारंटी अवधि में सड़क उखड़ने पर मरम्मत ठेकेदार से ही कराई जाए। उन्होंने कहा कि सिर्फ नगर निगम ही नहीं, ठल्लअकऔर ढहऊकी सड़कें भी खराब हैं।

गुणवत्ता जांच और बिल पास करने वाले ताकनीकी अधिकारियों की जवाबदेही भी तय होनी चाहिए। कई अधिकारी जमीन पर निरीक्षण किए बिना ही बिल पास कर देते हैं।

फड़नवीस ने विधानसभा अध्यक्ष डॉ. रमन सिंह से पूरे मामले की जांच, खर्च, वारंटी और तकनीकी स्वीकृति की समीक्षा और दोषी ठेकेदार-अधिकारियों पर कार्रवाई की मांग की है।

तापसी पन्नू ने बॉक्स ऑफिस से ज्यादा फिल्मों की क्वालिटी को दी तवज्जो

अभिनेत्री तापसी पन्नू आगामी एक्शन-थ्रिलर फिल्म 'गांधारी' की रिलीज को लेकर तैयार हैं। अभिनेत्री का कहना है कि उन्होंने हमेशा बॉक्स ऑफिस कलेक्शन से ज्यादा फिल्मों की क्वालिटी पर अहमियत दी है। अभिनेत्री का मानना है कि भले ही उनके 100 करोड़ वाली फिल्में नहीं है, लेकिन उन्हें इससे कोई फर्क नहीं पड़ता है। अभिनेत्री ने बातचीत में बताया कि उन्होंने कई ऐसी फिल्में देखी हैं, जिसने बॉक्स ऑफिस में खास कमाई नहीं कि हो, लेकिन बाद में कल्ट क्लासिक का दर्जा हासिल किया है। अभिनेत्री ने बताया, 'मैंने अपने करियर में कई ऐसी फिल्में देखी हैं, जो बॉक्स ऑफिस पर नहीं चलती और फिर 10 साल बाद हम उन्हें दशक की बेस्ट फिल्मों में गिनते हैं। फिर उन्हें कल्ट का दर्जा मिल जाता है, उनकी सराहना होती है, रेफरेंस दिए जाते हैं।' अभिनेत्री ने यह भी बताया कि इस समझ ने एक एक्टर के तौर पर उनके फैसलों पर काफी हद तक असर डाला है, जिससे उन्होंने बॉक्स ऑफिस नंबर के टेम्पररी इनाम के बजाय अपनी फिल्मोग्राफी चुनी है। उन्होंने कहा, 'मैंने कुछ समय की वाहवाही से ज्यादा अपनी फिल्मों की लिस्ट को अहमियत दी है। क्योंकि मेरी फिल्मों की लिस्ट हमेशा रहेगी। समय बदलता रहेगा। पहले दूसरी तरह की फिल्में बनती थी, लेकिन मेरी फिल्मोग्राफी नहीं बदलेगी, वो वैसी ही रहेगी।' अभिनेत्री का मानना है कि वे ऐसी फिल्मों का हिस्सा बनना चाहती हैं, जिन्हें वह सालों बाद देखकर भी गर्व महसूस कर सकें। उन्होंने बताया, 'मैं अपनी लिस्ट में ऐसी फिल्में डालना चाहती हूं, अगर मैं 20 साल बाद भी उसे देखूं तो लगे कि हां यह एक अच्छी फिल्म थी। जाहिर इसलिए आपको कीमत भी चुकानी पड़ती है। आपको लोग कहते हैं कि आपकी फिल्में फ्लॉप हैं और फिर आपको 10 साल तक इंतजार करना पड़ता है कि उसे कल्ट का दर्जा मिले। फिर आप बड़े-बड़े इंटरव्यू दे सकते हैं और उसी साल बनी दूसरी हिट फिल्मों के बारे में कोई बात भी नहीं करता। तो ये एक अजीब सा साइकिल है, जिससे एक एक्टर को गुजरना पड़ता है।' एक्ट्रेस ने खुलकर ये भी माना कि उनके नाम सैकड़ों करोड़ की कमाई करने वाली फिल्में नहीं हैं, जिसे आजकल स्टारडम का पैमाना माना जाता है। उन्होंने कहा, 'मुझे इस बात से कोई दिक्कत नहीं है कि मेरे नाम 1000 करोड़, 500 करोड़ वाली फिल्में नहीं हैं। 100 करोड़ वाली फिल्में भी देखा जाए तो मेरे करियर में बहुत ज्यादा नहीं हैं। मुझे इससे कोई परेशानी नहीं है।'

निक्की वालिया ने बॉलीवुड छोड़ टीवी को क्यों चुना? बताई कई वजहें

'मिस्टर आजाद', 'अकेले हम अकेले तुम' और 'परदेसी बाबू' जैसी फिल्मों के लिए मशहूर अभिनेत्री निक्की वालिया ने बॉलीवुड छोड़कर सबको हैरान कर दिया था। इस कदम से 90 के दशक में कई अफवाहें फैलीं। बाद में, उन्होंने टेलीविजन पर अच्छा काम किया। वह 'सांस', 'तुम बिन जाऊं कहां', 'घर एक सपना', 'डोली सजा के' जैसे शो में नजर आईं। अभिनेत्री ने हिंदी फिल्म इंडस्ट्री के कल्चर और उस समय महिलाओं के साथ कैसा बर्ताव किया जाता था, इस बारे में कुछ चौंकाने वाली बातें भी बताई हैं। बातचीत में निक्की वालिया ने बॉलीवुड छोड़ने और टेलीविजन चुनने के बारे में कहा कि इंडस्ट्री में उस समय औरतों से जो बेवकूफ चीजें मांगी जाती थीं, उसके अलावा लोगों का बात करने लहजा उन्हें पसंद नहीं आया। निक्की वालिया ने आगे कहा, 'फिल्म इंडस्ट्री की फितरत और मेरी फितरत अलग थी। कोई गलत नहीं, कोई सही नहीं। न मैं सही, न वो गलत।' अभिनेत्री ने याद किया कि फिल्में छोड़ने के बाद, जर्नलिस्ट और मैगजीन ने उनसे पूछा कि मौके होने के बावजूद उन्होंने यह फैसला क्यों लिया। उन्होंने कहा कि 'मिस्टर आजाद' के सेट पर कथित अनबन की अफवाहें भी उड़ रही थीं। यह साफ करते हुए कि उन्होंने पर्सनल वजहों से फिल्में छोड़ी थीं, निक्की ने कहा कि एक नैरेटिव बनाया जा रहा था कि वह एक फ्लॉप एक्ट्रेस थीं और उनकी फिल्में फेल हो गई थीं। इंडस्ट्री को लेकर लिखा आर्टिकल उस वक्त अभिनेत्री ने इंडस्ट्री को लेकर एक आर्टिकल लिखा था। इसमें उन्होंने बॉलीवुड की पोल खोली थी। आर्टिकल को याद करते हुए अभिनेत्री ने कहा कि उस वक्त मुझे इंडस्ट्री से काफी आलोचना मिली। उन्होंने कहा कि मैं उस वक्त सोच रही थी कि अगर मैं लोगों से काम मांगती, तो भी मुझे नहीं मिलता।

इज्जत से बढ़कर कुछ नहीं

बॉलीवुड में रहते हुए अभिनेत्री ने यह महसूस किया कि इज्जत उनके लिए किसी भी चीज से ज्यादा मायने रखती है। इसलिए उन्होंने बॉलीवुड छोड़ा और टीवी में करियर बनाया।

आठ घंटे शिफ्ट मामले पर बोलीं मेघना गुलजार

मेघना गुलजार की फिल्म 'दायरा' 18 सितंबर को रिलीज होनी है। इसी फिल्म को लेकर हुई बातचीत के दौरान मेघना ने दीपिका पादुकोण के आठ घंटे की शिफ्ट वाले मामले पर भी अपनी राय दी। हाल ही में दीपिका की फिल्म 'स्पिरिट' से जुड़े एक विवाद में यह भी दावा किया गया कि अभिनेत्री ने मेकर्स से 10 फीसदी प्रॉफिट शेयर मांगा है। अब इस पूरे मामले पर इंटरव्यू में मेघना ने अपनी प्रतिक्रिया दी। खास बातचीत में मेघना ने कहा, 'मुझे लगता है कि शायद वह अपनी जिंदगी के ऐसे दौर में हैं, जब उन्हें लगा कि उन्हें ऐसा करना चाहिए। जब हमने उनके साथ काम किया था, तब हमारे बीच ऐसा कुछ नहीं था। तो शायद यह उनकी जिंदगी का एक अलग समय है।' मेघना ने आगे कहा, 'वह मां हैं, उनका एक बच्चा है और अब वह अपने दूसरे बच्चे की उम्मीद कर रही हैं। आप किसी से सिर्फ इसलिए कुछ नहीं छीन सकते कि वह अपनी किसी जरूरत के बारे में बात कर रही है। उसकी जिंदगी की परिस्थितियां बदलती रहती हैं और आपको इसे समझना होगा।' मेघना के मुताबिक, अगर किसी कलाकार की शर्तें किसी प्रोजेक्ट के लिए संभव नहीं हैं, तो दोनों पक्ष अपने-अपने फैसले ले सकते हैं। वह कहती हैं, 'अगर उनकी ये शर्तें आपके लिए काम नहीं करतीं, तो मत कीजिए। और वह भी इसके साथ ठीक हैं। महिला कलाकारों को लेकर इंडस्ट्री में आए बदलाव पर मेघना कहती हैं, 'पिछले कुछ साल में मैंने महिला कलाकारों में यह बदलाव देखा है कि अब उनकी बात सिर्फ सहानुभूति के लिए नहीं सुनी जाती। पहले 'बेचारी' कहकर उनकी बात सुन ली जाती थी। अब ऐसा कम होता है। यह बहुत बड़ा बदलाव है। अब उनकी बात बराबरी के नजरिए से सुनी जाती है।'

'आवारापन 2' की सफलता पर इमरान हाशमी का भावुक

इमरान हाशमी इन दिनों स्वाइन फ्लू से ठीक हो रहे हैं, लेकिन उनकी लेटेस्ट फिल्म 'आवारापन 2' को बॉक्स ऑफिस पर मिल रही शानदार सफलता ने उन्हें काफी खुश कर दिया है। साल 2007 में रिलीज हुई फिल्म 'आवारापन' बॉक्स ऑफिस पर फ्लॉप रही थी। ऐसे में उसके सीक्वल की इतनी बड़ी सफलता ने फिल्म इंडस्ट्री को भी हैरान कर दिया है।

फैंस का किया धन्यवाद

अब इमरान हाशमी ने अपने इंस्टाग्राम अकाउंट पर एक पोस्ट शेयर कर दर्शकों का शुक्रिया अदा किया है। उन्होंने मंगलवार को लिखा, 'कुछ फिल्में ऐसी होती हैं जिन पर आप काम करते हैं और फिर कुछ फिल्में ऐसी होती हैं, जिनका हिस्सा होने पर आपको दिल से गर्व महसूस होता है। 'आवारापन 2' ऐसी ही फिल्म है। यह एक ऐसी बेहद खास और दुर्लभ सफलता बन गई है, जो बहुत कम देखने को मिलती है। एक ऐसी फिल्म, जिसे दो दशक पहले दर्शकों का प्यार नहीं मिला था, वह अपने सीक्वल के साथ वापस आई और बॉक्स ऑफिस पर इतिहास बदलने के लिए तैयार थी। यह एक इमोशन से भरपूर एक्शन म्यूजिकल फिल्म है, जिसे शानदार विजुअल स्केल पर बनाया गया है। फिल्म में बेहद अलग और लंबे समय तक याद रहने वाला म्यूजिक है।'

फिल्म का हिस्सा बनना मेरे लिए बेहद खास रहा

उन्होंने आगे लिखा, 'मैं सच में मानता हूं कि इस फिल्म को दर्शकों के साथ और सिनेमाघरों में देखना सबसे बेहतर अनुभव है। इस पूरी कहानी के केंद्र में विशाल हैं, जिन्होंने 'आवारापन' की दुनिया बनाई। उनका विजन और अपने काम पर भरोसा ही इस फिल्म से जुड़े हर व्यक्ति और हर चीज को आकार देता रहा। मुझे बहुत खुशी है कि हमने साथ मिलकर यह कदम उठाया और यह सफर तय किया। इतनी शानदार स्टारकास्ट, म्यूजिक की जीनियस टीम और क्रिएटिव ब्रिलियंस वाली फिल्म का हिस्सा बनना मेरे लिए बेहद खास रहा है।'

अब तक की सबसे बेहतरीन फिल्म

इमरान ने आगे 'आवारापन 2' को अपनी अब तक की सबसे बेहतरीन फिल्म तक बता दिया। उन्होंने दर्शकों से फिल्म को सिनेमाघरों में देखने की अपील करते हुए कहा, 'इसलिए बहुत देर होने से पहले आवारापन 2 को सिनेमाघरों में जाकर जरूर देखें। इस इमोशनल रोलर कोस्टर को महसूस करें। म्यूजिक को खुद पर हावी होने दें और फिल्म का उसी तरह जश्न मनाएं, जिस तरह इसे मनाया जाना चाहिए- बड़ी स्क्रीन, बड़ी आवाज और एक शानदार सिनेमैटिक एक्सपीरियंस के साथ।'

नवाजुद्दीन के काम में आपको एक नयापन देखने को मिलेगा

अभिनेत्री श्रुति देशपांडे ने थिएटर नाटक 'नकाब' में अभिनेता नवाजुद्दीन सिद्दीकी के साथ स्टेज शेयर किया है। अभिनेत्री ने बातचीत में नवाजुद्दीन सिद्दीकी के साथ काम करने के अनुभव को शेयर करते हुए बताया कि वे अपने काम में हर बार कुछ नयापन जरूर लेकर आते हैं। अभिनेत्री ने बताया, 'नवाजुद्दीन उम्दा किस्म के कलाकार हैं, उनके काम में आपको एक नयापन देखने को मिलेगा। वह जो भी करते हैं, उसमें कुछ नया और अलग लेकर आते हैं।' अभिनेत्री ने नवाजुद्दीन सिद्दीकी के साथ अपना शिकागो का अनुभव शेयर करते हुए बताया, 'शिकागो में हम शो कर रहे थे और उसी समय थिएटर में कुछ तकनीकी समस्या हो गई थी, जिसके बाद नवाज का माइक काम नहीं कर रहा था और उससे आवाज नहीं आ रही थी, जिसके दर्शक चिल्लाने लगे कि उन्हें आवाज सुनाई नहीं दे रही है। जब आप लाइव परफॉर्म कर रहे हों और दर्शक चिल्ला रहे हों कि आवाज नहीं आ रही, तो बहुत ज्यादा ध्यान भटकता है। नवाज को अपनी आवाज तेज करनी पड़ी और जोर से बोलना पड़ा। एक एक्टर एक हद तक ही तेज आवाज में बोल सकता है, इसलिए हमने भी उनका साथ दिया और अपनी आवाज को उसी हिसाब से एडजस्ट किया।' उन्होंने आगे कहा, 'आखिर में उन्हें अपना माइक ठीक करवाने के लिए बैकस्टेज जाना पड़ा। चूंकि यह उनका पहला थिएटर एक्सपीरियंस था और मैं कई सालों से थिएटर कर रही थी, इसलिए मुझे लगा कि उस वक्त मुझे जिम्मेदारी लेनी चाहिए। मैंने थोड़ा इम्प्रोवाइज किया और हमने उस टेक्निकल खराबी और छोटे से ब्रेक को संभाल लिया, फिर शो आगे बढ़ाया। अभिनेत्री ने आगे कहा कि स्क्रीन और थिएटर में बड़ा फर्क है कि थिएटर में आपको सब कुछ उसी वक्त संभालना पड़ता है और स्क्रीन पर रीटेक हो जाता है। उन्होंने कहा, 'आपको टेक्निकल प्रॉब्लम, ऑडियंस और परफॉर्मेंस को बिना यह दिखाए मैनेज करना होता है कि कुछ गड़बड़ हुई है। मुझे लगता है कि उनसे मेरी सबसे बड़ी सीख यही थी।'

खतरों के खिलाड़ी 15 से जल्दी बाहर होने का दर्द अब भी दिल में है

अभिनेत्री अविका गौर ने 'खतरों के खिलाड़ी 15' से अपने एलिमिनेशन के बाद पहली बार अपने अनुभव और भावनाओं के बारे में खुलकर बात की है। शो से इतनी जल्दी बाहर होना उनके लिए आसान नहीं रहा। अविका ने कहा कि एलिमिनेशन के बाद जब वह घर बैठकर शो देखती हैं, तो उनके मन में बार-बार यही ख्याल आता है कि अगर वह उस वक्त वहां होतीं, तो शायद और बेहतर कर सकती थीं। हालांकि, बाद में उन्हें यह भी एहसास होता है कि टीवी पर बैठकर किसी स्टंट को देखना और खुद उस डर, दबाव और एड्रेनालिन के बीच उसे करना बिल्कुल अलग बात है।

अविका गौर ने इंस्टाग्राम पर एक लंबा नोट शेयर किया और बताया कि 'खतरों के खिलाड़ी' ने उनकी जिंदगी और खुद को देखने के नजरिए पर काफी असर डाला है। उन्होंने लिखा, ''मैंने 'खतरों के खिलाड़ी' देखने के बाद अपने बारे में एक बात महसूस की है। मैं खुद को यह सोचते हुए पाती हूं कि अगर मैं वहां होती, तो मैंने हार नहीं मानी होती। मैं और ज्यादा कोशिश करती। मैं बेहतर करती।''

अविका ने आगे मजाकिया अंदाज में कहा, ''शो को आराम से सोफे पर बैठकर देखने के दौरान मुझे ऐसा लगने लगता है, जैसे मैं 'खतरों के खिलाड़ी' की एक्सपर्ट बन गई हूं। लेकिन फिर याद आता है कि मैं अपनी जिंदगी के आरामदायक माहौल में बैठकर शो देख रही हूं। मुझे न तो उस समय का दबाव महसूस हो रहा है और न ही उस स्टंट को करने का डर। बाहर बैठकर किसी स्थिति का हीरो बनना बहुत आसान है। जब कोई चीज हमारे लिए बहुत मायने रखती है, तो हम उसे बार-बार अपने दिमाग में दोहराते हैं, अलग-अलग फैसलों की कल्पना करते हैं और कहानी का एक ऐसा वर्जन बना लेते हैं, जो कभी हुआ ही नहीं।'

अविका ने कहा, ''शायद इसी वजह से इतनी जल्दी एलिमिनेट होना मेरे लिए पूरी तरह छोड़ पाना मुश्किल रहा है। मेरे अंदर कहीं न कहीं अभी भी वह लड़की है, जो सोचती है कि मेरे पास देने के लिए बहुत कुछ था। शायद सच में था भी। लेकिन मुझे यह भी समझना होगा कि इस सोच में लगातार जीते रहना सही नहीं है। यह मानना अलग बात है कि आपके पास और बेहतर करने की क्षमता थी और हर वक्त उस दुनिया में रहना अलग।''

उन्होंने कहा, ''जब मैंने पहली बार शो किया था, तब मैं सिर्फ 21 साल की थीं। उस समय शो ने मुझे खुद को और अपने भविष्य को एक अलग नजरिए से देखने में मदद की थी। मैं डर का सामना करने और स्टंट करने के इरादे से शो में गई थीं, लेकिन वहां से निकलने के बाद मुझे खुद के बारे में बहुत कुछ नया समझ आया।''

मैंने हमेशा मेहनत कर, खुद को आगे बढ़ाने में विश्वास किया है

मैंने हमेशा मेहनत करने, तैयारी करने, खुद को आगे बढ़ाने और अपनी पसंद की जिंदगी बनाने में विश्वास किया है। इसलिए ऐसी चीज को स्वीकार करना, जो पूरी तरह मेरे नियंत्रण से बाहर हो, मेरे लिए मुश्किल और सच कहूं तो दिलतोड़ने वाला रहा है।' उन्होंने आगे कहा, ''कई बार इंसान किसी चीज के लिए अपना सब कुछ दे देता है, फिर भी नतीजा वैसा नहीं मिलता जैसा उसने सोचा था। शायद क्लोजर का मतलब यह तय करना नहीं है कि आप शो में बने रहने के लायक थे या आप बेहतर कर सकते थे। असली क्लोजर यह स्वीकार करना है कि कहानी उस तरह खत्म नहीं हुई, जिस तरह हमने अपने दिमाग में लिखी थी।''

नैनं छिन्दन्ति शस्त्राणि नैनं दहति पावकः । न चैनं क्लेदयन्तापो न शोषयति मारूतः ।।

परमहंस
वशिष्ठ नारायण मिश्र

का स्वर्गवास दिनांक 26 अगस्त 2026 को हो गया है
उनके दिवंगत आत्मा की शांति के लिए ब्रह्म भोज का आयोजन
दिनांक 7 सितंबर 2026 सोमवार को
दोपहर 1 : 00 बजे से संध्या 5 : 00 बजे तक किया गया है
अतः उक्त कार्यक्रम में उपस्थित होकर दिवंगत आत्मा की शांति हेतु
ईश्वर से प्रार्थना करें

कार्यक्रम स्थल
क्वार्टर नंबर 6A सड़क 6 सेक्टर 2 भिलाई

: शोकाकुल :
श्रीमती रीना मिश्रा (भाभी)
मीना - मुरलीधर झा (बहन -जीजा)
संजू - तरुण प्रताप झा (बहन -जीजा)
सुशांत मिश्रा (भतीजा)

: विनीत :
स्वरूप नारायण मिश्रा (भ्राता)
श्रीमती शिवानी मिश्रा

: संपर्क : 930925 6665 , 91311 05539

जिन स्वजनों को सूचना ना मिली हो, वे कृपया इसे ही सूचना मानकर कार्यक्रम में सम्मिलित होवें.

"यह समाचार पत्र आलोक तिवारी द्वारा 80/बी, मैत्री विहार, राधिका नगर, सुपेला, भिलाई, जिला दुर्ग, (छत्तीसगढ़)-490023 से आलोक तिवारी की ओर से प्रकाशित की जाती है, जिसका संपादन आलोक तिवारी द्वारा किया जाता है तथा इसका मुद्रण समय दर्शन प्रिंटर्स एंड पब्लिशर्स द्वारा प्लॉट नं. 339/6, गली नं. 02, पाटन, थाना उतई, दुर्ग, (छ.ग.)-491111 पर किया जाता है। (समाचार चयन के लिए PRP Act, 2023 के तहत संपादक जिम्मेदार है)। समस्त विवादों का निपटारा न्यायालयीन क्षेत्र दुर्ग होगा।" संपादक आलोक तिवारी, मो. 74154-69100